UPHIN/2011/39718 (डिजिटल संस्करण) बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक
यंग भारत
निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर
Digital Edition

यंग भारत
वेब न्यूज

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज बाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-253 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 26 अगस्त 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी चुनाव से पहले ताजा सर्वे, किसको मिल रही बढ़त?

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं. चुनाव को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी से लेकर मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी समेत अन्य दलों ने अपनी-अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं. एक तरफ भाजपा का दावा है कि वो लगातार तीसरी बार यूपी में अपनी सरकार बनाएगी. वहीं, सपा चीफ अखिलेश यादव कह रहे हैं कि वह इस बार सूबे में भाजपा का विजय रथ रोक देंगे. ऐसे में पान की टपरी से लेकर दफ्तर वाले दफ्तरों में यही सवाल लोगों के बीच में तैर रहा है कि यूपी में इस बार किसकी सरकार बनेगी? इस बीच 'वोट वाइब' ने यूपी के लोगों के सामने कुछ प्रश्न रखकर अपना सर्वे किया है. इस सर्वे में 'वोट वाइब' ने यह जानने की कोशिश की है कि यूपी में किस पार्टी को फिलहाल बढ़त है. आइए आपको सर्वे के आंकड़े बताते हैं.

क्या आपने तय कर लिया कि आप किसे वोट देंगे?

वोट वाइब' ने यह सवाल लोगों के सामने रखा. इस सवाल के जवाब में 64.4% लोगों ने कहा कि 'हां उन्होंने पूरी तरह तय कर लिया है.' 19% लोगों ने कहा कि अभी उन्होंने 'अंतिम निर्णय नहीं लिया है. 8.7% लोगों ने कहा कि 'अभी उन्होंने तय नहीं किया है. वहीं, 8% लोगों ने कहा कि' वह अभी कुछ कह नहीं सकते.'

आपकी राय में उत्तर प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए?

सर्वे में इस सवाल के जवाब में 43.4% लोगों ने कहा कि योगी आदित्यनाथ (भाजपा) को अगला सीएम होना चाहिए. 35.5% लोगों का मानना है कि अखिलेश यादव (सपा) को अगला मुख्यमंत्री बनना चाहिए. 5.9% लोग मायावती (बसपा) के साथ दिखे. 3% लोगों ने प्रियंका गांधी (कांग्रेस) का समर्थन किया. 6% लोग अन्य के साथ दिखे. वहीं, 6.3% लोगों ने कहा कि वे वह कुछ कह नहीं सकते.

आप 2027 चुनाव में किस पार्टी या गठबंधन को देंगे? (वोट शेयर)

सर्वे में इस सवाल के उत्तर में भाजपा गठबंधन (बीजेपी) 41.8% वोट शेयर के साथ आगे रहा. जबकि सपा गठबंधन (एसपी) 38.7% वोट शेयर के साथ दूसरे स्थान रहा. इसके अलावा सर्वे में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 5.2% और अन्य क्षेत्रीय दलों व निर्दलीयों के खाते में 4.0% वोट शेयर मिलने का अनुमान है. वहीं, 10.3% मतदाता ऐसे हैं जो अनिर्णीत हैं या कुछ कह नहीं सकते की श्रेणी में शामिल हैं.

आगामी चुनावों को लेकर मायावती का बड़ा ऐलान, यूपी, उत्तराखंड और पंजाब में अकेले लड़ेगी बसपा

(यंग भारत न्यूज)

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी चुनावों को लेकर पार्टी की रणनीति साफ कर दी है. बसपा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड पंजाब में किसी भी दल के साथ गठबंधन किए बिना अपने दम पर चुनाव मैदान में उतरेगी.

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर एक प्रेस रिलीज साझा करते हुए इसकी जानकारी दी. पार्टी ने इन तीनों राज्यों में बेहतर चुनाव परिणाम हासिल करने का संकल्प लिया है. मायावती ने कहा कि चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जाएगा. उम्मीदवारों के चयन में कर्मठ, ईमानदार जनता के बीच सक्रिय लोगों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया जाएगा. पार्टी का लक्ष्य ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारना है, जो संगठन जनता के बीच मजबूत संपर्क रखते हों. बसपा की ओर से बताया गया कि लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ लंबी बैठक हुई. इस बैठक में आगामी चुनावों की रणनीति, संगठन को मजबूत करने पार्टी के जनाधार को विस्तार देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. बैठक में तय किया गया कि उत्तर प्रदेश उत्तराखंड में उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया को पारदर्शी रखा जाएगा. वहीं पंजाब में पार्टी अपने जनाधार को मजबूत करने पर विशेष ध्यान देगी. इसके साथ ही बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई. मायावती ने पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से पूरी मजबूती के साथ चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा रखना जरूरी है संगठन को पूरी एकजुटता के साथ आगे बढ़ना होगा. मायावती ने पंजाब को लेकर भी पार्टी की रणनीति स्पष्ट की. उन्होंने कहा कि बसपा राज्य में अपने संगठन जनाधार को मजबूत करेगी. पार्टी का प्रयास होगा कि पंजाब की जनता के बीच बहुजन समाज के मुद्दों अंबेडकरवादी विचारधारा को मजबूती से रखा जाए. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी को पंजाब में व्यापक स्तर पर जनता से संपर्क बढ़ाना होगा. इसके लिए संगठन को गांव, विधानसभा बूथ स्तर तक सक्रिय करने की योजना पर काम किया जाएगा. बैठक में बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती को देशभर में बड़े स्तर पर मनाने का भी फैसला लिया गया. पार्टी की ओर से 9 अक्टूबर को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इन कार्यक्रमों के जरिए कांशीराम के विचारों अंबेडकरवादी आंदोलन को जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा. बसपा ने कहा कि कांशीराम के विचारों को आगे बढ़ाना पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है. पार्टी कार्यकर्ताओं से जयंती कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर आयोजित करने की तैयारी करने को कहा गया है. मायावती के जन्मदिन 15 जनवरी 2027 को भी पार्टी की ओर से विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा. इसे 'जनकल्याणकारी दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया है. इस दौरान समाज से आर्थिक सहयोग जुटाने का लक्ष्य रखा गया है. पार्टी के मुताबिक, इस सहयोग का इस्तेमाल अंबेडकरवादी विचारधारा के प्रचार-प्रसार बसपा के आंदोलन को मजबूत करने के लिए किया जाएगा. बैठक में इस आयोजन को पिछले वर्ष की तुलना में व्यापक बनाने पर भी चर्चा हुई. बैठक के दौरान मायावती ने पार्टी पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की. उन्होंने कहा कि संगठन को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखते हुए मजबूती से आगे बढ़ना है.मायावती ने साफ किया

जल शक्ति विभाग में हुआ महा घोटाला : स्याह को सफेद करने का भरम फैला कर झूट का पॉडकास्ट लेकर आया पुराना दलाल?

जनपद के पत्रकार जब अपना स्वाभिमान मंत्री के कहने से गिरवी रखने को नही हुए तैयार तब

अनिल शर्मा +संजय श्रीवास्तव

उरई। आजाद भारत के इतिहास में ग्रामीणों के लिए सरकार की जो सबसे बड़ी योजना नमामि गंगे की योजना के नाम से आई है यह भाजपा सरकार में पहली बार बुंदेलखंड के प्यासे ग्रामीणों को हर घर में पेयजल पहुंचाने के दावे साथ 28 हजार करोड़ की भारी भरकम धनराशि सरकार ने अपने खजाने से जारी की है निसंदेह इतनी बड़ी धनराशि से बुंदेलखंड के सभी ग्रामीणों की प्यास बुझ सकती थी फंड की इसमें कोई कमी नहीं थी सरकार ने खजाने का मुंह खोल दिया था मगर यह योजना सोपी गई उत्तर प्रदेश के सबसे भ्रष्ट मंत्रालय जल शक्ति विभाग को और उसमें भी कोढ़ में खाज यह है की लंबे समय से फंड मिल जाने के बावजूद भ्रष्ट्र अधिकारियों ने प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट को पलीता लगाने का ही काम किया है जल निगम विभाग को यह काम मय बजट के सौंप दिया गया! तो उन महा भ्रष्ट अभियंताओं और कार्यदाई संस्थाओं ने मिलकर ऐसी योजना बनाई कि जिसके चलते गंगा का पवित्र नाम बदनाम हुआ! जल निगम के भ्रष्ट अभियंताओं और कार्य संस्थाओं के खेले खाए जंगी भ्रष्टाचारियों के साथ अपनी अपनी टोलिया के साथ धनराशि को खाने और पचाने में जुट गए जिसके तहत इन कार्यदायी संस्थाओं ने पूरे बुंदेलखंड में पानी की ऐसी टंकियां बनवाई जिसमें पहले तो पानी ही नहीं चढ़ पाया कुछ टांकियों में जैसे तैसे चढ़ा भी लेकिन यह टंकियां पानी का वजन नहीं सह पाई और घटिया निर्माण के चलते भरभराकर गिर गई। बुंदेलखंड के तमाम जनपदों में यही हाल रहा इतना ही नहीं तमाम टंकियों को साधने वाले पिलर भी इस योजना की कमजोर निकले और वह कहीं मुड़कर कहीं टूटकर इस योजना के इस योजना के भ्रष्टाचार की गवाही दे रहे हैं कौशल के धनी भ्रष्ट अभियंताओं की मती भी मारी गई थी तभी वह खाने कमाने की नीतियों को बनाने में भारी तकनीकी खामियां करते गए। यह गंगा नामधरी योजना में सभी भृष्ट लोगों ने मिलकर भ्रष्टाचार की ऐसी गंगा बहाई की जिसका सानी भ्रष्टाचार की सूचियां में मिलता है कहीं उनकी टंकी बस्ती से नीचे है तो पानी गांव में नहीं पहुंच पाता।इस योजना ज्यादातर गाँव में पेयजल की सप्लाई की पाइप लाइन का ब्यास 2 इंच है। जिसके चलते उसमें इतना पानी भी नहीं निकलता जो गाँव की प्यास बुझा सके। हालत ये है कि बुंदेलखंड के सातों जिलों में 60 से 70 फ़ीसदी ग्रामीण नल से जल की एक बूंद का भी बेसब्री से इंतजार करते हैं इस पर भी ग्रामीड़ों के सामने नई मुसीवत यह है कि गाँव में बनी बनाई सड़कें और खड़ंजा और पगडंडी खोदकर फेंक दी गई हैं जिसके चलते ग्रामीड़ों के दो पहिया चार पहिया वाहनों की तो बात छोड़ दीजिये तमाम ग्रामीण का निकलना मुश्किल हो रहा है और इन पानी और कीचड़ भरे रास्तों से कई बार लोग चुटहल हो जाते हैं ।इसके अलावा रात हो या दिन हो प्रसूता महिलाओं का तक़लीफ़ के वक़्त उपचार के वक़्त निकलना और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है कई बार तो कई प्रसूता महिलाओं के प्रसव रास्ते में ही हो गये तथा कई महिलाओं कुछ वृद्ध लोगों की मृत्यु तक हो गई है. ग्रामीणों की सबसे बड़ी हमदर्द बनने वाली सरकार इन तकलीफों से जूझ रहे लोगों के लिए आंसू बहाने तक नहीं आई बुंदेलखंड के सैकड़ो गांव में गर्मियों के दिनों में पेय जल को लेकर हाहाकार मचने के बावजूद भी भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ बुंदेलखंड में कोई कार्रवाई नहीं की गई इस विभाग की सीधी जिम्मेदारी वाले जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह जो जालौन जिले के निवासी है तथा बुंदेलखंड के कोटे से कैबिनेट मंत्री बनाए गए हैं बुंदेलखंड के ग्रामीणों नल से पानी न पहुंचने तथा सड़कों की दुर्दशा से इतने आक्रोर्षित हो गए हैं क्यों जगह-जगह विरोध जता रहे हैं इसके कारण मंत्रियों और अधिकारियों पर भारी दबाव आ गया है इसी बीच पिछले दिनों महोबा के चरखारी विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी के विधायक बृजभूषण सिंह राजपूत ने 100 प्रधानों और ग्रामीणों के साथ दौरे पर आए जल शक्ति मंत्री को भारी भीड़ के साथ उनके काफिले को रास्ते में ही रोक दिया था ग्रामीण और प्रधानों ने जय शक्ति मंत्री के विरोध में नारे भी लगाए थे तथा उन्हें कार से उतार लिया था इससे मंत्री स्वतंत्र देव सिंह सकपका गये थे मंत्री ने विधायक और ग्रामीणों को किसी तरह समझाया इसके बाद वह किसी तरह अधिकारियों के काफिले के साथ इसी तरह महोबा जिलाधिकारी के कार्यालय पहुंच गए और वहां उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से बृजभूषण राजपूत विधायक और कुछ ग्राम प्रधानों को बुलाकर अधिकारियों के साथ बैठक की और सबको यह आश्वासन दिया कि 3 महीने के भीतर अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी इसके बाद लखनऊ में डैमेज कंट्रोल की रणनीति बनाई गई क्योंकि चाहे चित्रकूट के विधायक अनिल प्रधान बबेरू के विधायक विशंभर यादव बांदा की सांसद कृष्णा पटेल हमीरपुर के सांसद अजीज्ञ लोधी तथा तथा जालौन गरौठा भोगनीपुर के सांसद नारायण दास अहिरवार के अलावा पश्चिम के भाजपा के विधायक व पूर्व मंत्री संजीव बालियान बाराबंकी के भाजपा विधायक ने भी गांव में जल शक्ति मंत्रालय के द्वारा ग्रामीणों को पानी ना पहचाने तथा भ्रष्टाचार के लिए आवाज उठाई इसी बीच भाजपा के पूर्व सांसद गंगा चरण राजपूत ने जल शक्ति मंत्रालय की हर घर को नल से जल देने की योजना को प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया और उन्होंने मांग की इस योजना में बुंदेलखंड में हुए भीषण भ्रष्टाचार की एस आई टी जांच करानी चाहिए और दोषी अधिकारियों के कठोर विभागीय कार्रवाई कर उन्हें जेल भिजवाने का काम करना चाहिए इधर बढ़ते दबाव के चलते जल शक्ति मंत्री और उनके विभाग में डैमेज कंट्रोल के लिए गोपनील नीतियां बनाई जाने लगी उधर मीडिया भी ग्रामीणों की समस्याओं को जोर-जोर से उठा रहा था इस पर जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों ने सेटिंग वेटिंग की नीतियों के आधार पर खबर लिखने वाले पत्रकारों को पटाने के लिए भी हाथ पांव मारने भी शुरू कर दिए लेकिन जालौन और बुंदेलखंड के पत्रकारों ने सेटिंग वेटिंग के चलते अपना जमीन बेचने से साफ इनकार कर दिया तब लखनऊ में इस बात की चर्चा जोरों पर है कि जल शक्ति मंत्री अपने ही जिले जालौन में सियाह का सफेद करवाने के लिए जब कई पत्रकारों पर नजर डाली तो उन्होंने भी ग्रामीणों के साथ सच्चाई के साथ खड़े होने की बात कही तब उन्होंने काफी खोजबीन करके अपने लोगों के माध्यम से पहले की जान पहचान वाला एक ग्रामीण चर्चित दलाल को अपने पास बुलाया इसके बाद योजना बनाई गई जिसके चलते भ्रष्टाचार की कोख में एक झूठ पॉडकास्ट के संवाद का उदय हुआ ग्रामीण दलाल गांव से जनपद मुख्यालय आ गया और वह कायदा कार्यालय बनाकर अपना काम शुरू कर दिया इसके लिए धन की व्यवस्था के लिये लखनऊ से जालौन जिले के नहर विभाग की अधिकारियों को निर्देश दिए गए इस पर इस पर दलाल को पिरोना नहर की सफाई के लिए बेनामी ठेका दे दिया गया तथा आनन फानन में ऊपर के निर्देश पर भुगतान भी कर दिया गया जो लाखों में है जबकि नहर की सफाई का काम कागजो में हुआ दलाल पॉडकास्ट के संवाद के माध्यम से विभिन्न विभागों तथा तमाम कई दलों के नेताओं पर अपना शिकंजा जोड़ तोड़ने लगा हुआ है भ्रष्ट अधिकारियों के बीच इस दलाल की शोहरत यह है कि वह कुत्ते का नहीं हाथी का गू खाता है यानी छोटी-मोटी रकम पर हाथ नहीं डालता है जबकि बड़े-बड़े भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसके तगड़ा धन वसूलता है अपने झूठ के पॉडकास्ट को सच बताता है कुल मिलाकर नतीजा यह निकला कि झूठ पॉडकास्ट के माध्यम से संवाद करने का यह दलाल मुतवातिर अपना जाल सरकारी विभागों में फैलाने में लगा हुआ है।

- पिरोना नहर की सफाई के नाम पर मंत्री को भरमा कर करा लिया लाखो का बेनामी भुगतान
- भृष्टाचार के इसी धन से खरीदा पॉडकास्ट
- सभी अधिकारियों से पैसा वसूली का मंसूबा लेकर घूम रहा है दफ्तर दफ्तर
- रोज बजाता है कलेक्ट्रेट जाकर डीएम को सलामी और पूछता है अधिकारियों के हाल चाल
- आए दिन चलाता है जल शक्ति विभाग की झूठी खबरे, नही दिखाता विभाग की जबरदस्त लूट और नामामि गंगे का दुर्दशा ग्रस्त हाल
- जबकि अपने संवाद को बताता है सत्य का संवाद

प्रेम जाल में ऐसा फंसी मुस्लिम लड़की! प्रेमी ने दी बद से बदतर मौत, दफनाना तो छोड़ो शक्ल देखने भी नहीं पहुंचा परिवार

(यंग भारत न्यूज)

अलीगढ़ के इगलास में 11 अगस्त को एक गौशाला के पास महिला की लाश मिली थी जिसके बाद इस में की गुत्थी अब सुलझ गई है. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मृतक महिला की पहचान असम की रहने वाली 28 साल की मनोवारा बेगम उर्फ़ मोना के रूप में हुई है.

बता दें कि उसके प्रेमी, मथुरा के राया के रहने वाले विकास सिंह को हत्या के आरोप में हिरासत में लिया गया है. उसने मनोवारा के सिर पर ईंट मारकर उसे मौत के घाट उतार दिया. आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लाश की पहचान होने के बाद पुलिस ने उसके परिवार को सूचना दी, लेकिन वो अपनी बेटी की लाश को लेने नहीं आए. ये खबर आप क्विक समाचार में पढ़ रहे हैं। वहीं फिर सोमवार को 'मानव उपकार संस्था' ने अलीगढ़ के नुमाइश कब्रिस्तान में उनको दफना दिया. मनोवारा की माँ और चार बहनों ने वीडियो कॉल के ज़रिए दफनाने की सभी रस्में निभाई. कोतवाली पुलिस के अनुसार, असम के नागाँव ज़िले की रहने वाली मनोवारा बेगम तीन साल पहले मथुरा के होटल रॉयल में हाउसकीपिंग का काम करने आई थी. मथुरा के राया इलाके का रहने वाला विकास सिंह भी उसी होटल में काम करता था. वहाँ काम करने के दौरान दोनों एक-दूसरे के संपर्क में आए और उनके बीच प्रेम संबंध बन गए. लगभग डेढ़ साल पहले पुलिस ने होटल में छापा मारा, जिससे होटल बंद हो गया और मनोवारा की नौकरी चली गई. नौकरी की तलाश में वह अपनी बहन के साथ रहने के लिए लखनऊ चली गई. कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में रिश्तों को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा कि, समाज में ये गंदगी कहां तक पहुंच गया है। दरअसल पूरा मामला ये है कि, मौसा ने अपनी भांजी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया।उनके निजी अंगों से जबरदस्ती छेड़खानी की। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने भांजी को जान से मारने की धमकी दी। इस पूरी घटना के बाद जब पीड़िता ने अपने परिजनों से शिकायत की तो पिता व चाचा ने उन्हें पीट दिया। हम आपको जानकारी के लिए बता दें कि, पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि, कॉलोनी की एक युवती कॉलेज में पढ़ती है।

उसके मुताबिक उसका मौसा उस पर बुरी नीयत रखता है। कुछ दिन पहले वह मां के साथ नानी के घर गई थी। वहां उसकी मौसी व मौसा भी आए हुए थे। जैसे ही युवती अपनी नानी के घर पहुंची तो वो कमरे में चली गई। इस गहमागहमी के बीच आरोपी मौसा आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। दुष्कर्म का प्रयास किया। उसके गुप्तांगों से कपड़े फाड़ने का प्रयास किया। जब पीड़िता ने शोर मचाना शुरू किया तो उसका मौसा उसे जान से मारने की धमकी देकर कमरे से भाग गया। धमकी से डरी पीड़िता ने इस बारे में किसी को नहीं बताया। इसके बाद उसका मौसा उसे इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजने लगा। उस पर अश्लील कमेंट करने का भी आरोप है। अब कुछ दिन पहले मौसा फिर घर पर आया। लड़की को अकेला पाकर उसने फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। लेकिन इस बार पीड़िता बर्दाश्त नहीं कर सकी। जब इस पूरे मामले की पीड़िता ने अपने पिता और चाचा से शिकायत की तो दोनों ने उसकी पिटाई कर दी। उसने सारी बात परिजनों को बताई। पीड़िता का आरोप है कि, परिजन उसकी बातों को गलत साबित करने लगे। चाचा और पिता ने उसकी बेरहमी से पिटाई की। उससे कहा कि वह इस बात का जिक्र दोबारा न करे। ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। इसके बाद से पीड़िता तनाव में है। उसे डर है कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी न हो जाए। इस मामले में पीड़िता ने रविवार को मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पहले मौसा ने भांजी के कमरे में घुसकर की घिनौनी हरकत, शिकायत की तो पिता और चाचा ने भी पार कर दी इंसानियत की सारी हदें

कोतवाली क्षेत्र की एक कॉलोनी में रिश्तों को तार-तार करने वाला मामला सामने आया है, जो आपको सोचने पर मजबूर कर देगा कि, समाज में ये गंदगी कहां तक पहुंच गया है। दरअसल पूरा मामला ये है कि, मौसा ने अपनी भांजी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

उनके निजी अंगों से जबरदस्ती छेड़खानी की। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने भांजी को जान से मारने की धमकी दी। इस पूरी घटना के बाद जब पीड़िता ने अपने परिजनों से शिकायत की तो पिता व चाचा ने उन्हें पीट दिया। हम आपको जानकारी के लिए बता दें कि, पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि, कॉलोनी की एक युवती कॉलेज में पढ़ती है। उसके मुताबिक उसका मौसा उस पर बुरी नीयत रखता है। कुछ दिन पहले वह मां के साथ नानी के घर गई थी। वहां उसकी मौसी व मौसा भी आए हुए थे। जैसे ही युवती अपनी नानी के घर पहुंची तो वो कमरे में चली गई। इस गहमागहमी के बीच आरोपी मौसा आया और उसके साथ छेड़छाड़ करने लगा। दुष्कर्म का प्रयास किया। उसके गुप्तांगों से छेड़छाड़ करते हुए कपड़े फाड़ने का प्रयास किया। जब पीड़िता ने शोर मचाना शुरू किया तो उसका मौसा उसे जान से मारने की धमकी देकर कमरे से भाग गया। धमकी से डरी पीड़िता ने इस बारे में किसी को नहीं बताया। इसके बाद उसका मौसा उसे इंस्टाग्राम पर मैसेज भेजने लगा। उस पर अश्लील कमेंट करने का भी आरोप है। अब कुछ दिन पहले मौसा फिर घर पर आया। लड़की को अकेला पाकर उसने फिर दुष्कर्म का प्रयास किया। लेकिन इस बार पीड़िता बर्दाश्त नहीं कर सकी। जब इस पूरे मामले की पीड़िता ने अपने पिता और चाचा से शिकायत की तो दोनों ने उसकी पिटाई कर दी। उसने सारी बात परिजनों को बताई। पीड़िता का आरोप है कि, परिजन उसकी बातों को गलत साबित करने लगे। चाचा और पिता ने उसकी बेरहमी से पिटाई की। उससे कहा कि वह इस बात का जिक्र दोबारा न करे। ये खबर आप हिमाचल से में पढ़ रहे हैं। इसके बाद से पीड़िता तनाव में है। उसे डर है कि कहीं उसके साथ कोई अनहोनी न हो जाए। इस मामले में पीड़िता ने रविवार को मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। एसीपी मोदीनगर का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

नाबालिग बेटी से कई बार बनाया जबरन शारीरिक संबंध, विरोध करने मारपीट; पिता का पाप..

(यंग भारत न्यूज)

बिहार में पिता का पाप जानकर हर कोई हैरान है। दरअसल मुजफ्फरपुर जिले में थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को नाबालिग पुत्री से जबरन शारीरिक संबंध बनाने का मामले सामने आया है। पीड़िता की पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया।

इस संबंध में पीड़िता ने पिता के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसकी मां का 2019 में निधन हो गया। उसे दो छोटे भाई हैं। आरोप है कि करीब डेढ़ वर्ष से उसके पिता जबरन शारीरिक संबंध बनाता था।विरोध करने पर मारपीट करते थे।जान से मारने की धमकी दी जाती थी।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 17 अगस्त को बड़े पापा और बड़ी मां को घटना की जानकारी दी। बड़े पापा और बड़ी मां के पूछने पर आरोपित ने हंसिया और तलवार लेकर खदेड़ दिया। शुक्रवार को फिर से संबंध बनाने का प्रयास किया। इसी बीच डायल-112 पुलिस टीम को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया।पीएसआई अनुराधा सहाय ने बताया कि आरोपित को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पीड़िता को महिला हेल्पलाइन को सौंप दिया गया है। मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना क्षेत्र के ही बहिलवारा खोरमपुर तिवारी टोला में गुरुवार की रात भू विवाद में दो भाइयों के बीच मारपीट हो गई। इस दौरान चंदू तिवारी ने धारदार हथियार से राजेश्वर तिवारी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर हमला कर दिया। इस संबंध में जख्मी राजेश्वर तिवारी ने सरैया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया कि उनके भाई चंदू तिवारी ने अपने हिस्से से अधिक जमीन बेच दी। गुरुवार की रात पूछने गया तो विवाद हो गया। इसी बीच आरोपित ने हमला कर दिया। थानेदार देवेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपित चंदू तिवारी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित प्रिंस कुमार फरार हो गया। आनन-फानन में परिजनों ने गंभीर हालत में नागा ठाकुर को मुजफ्फरपुर शहर स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया। गोली नागा ठाकुर के कंधे के नीचे लगी, जो आर-पार हो गई। सूचना पर पहुंची जैतपुर पुलिस ने छानबीन की। परिजनों ने पुलिस को बताया कि नागेश्वर ठाकुर दरवाजे पर झाड़ू लगा रहे थे। इसी दौरान प्रिंस कुमार आ धमके और नागा ठाकुर पर गोली चला दी। बताया जाता है कि आरोपित प्रिंस कुमार पहले भी दो बार जेल जा चुका है। अस्पताल में इलाजरत नागा ठाकुर ने पुलिस को बयान दर्ज कराया है।

बताया कि सुबह करीब छह बजे दरवाजे पर झाड़ू लगा रहा था। तभी पीछे से प्रिंस आया और उसे आवाज देने लगा, जैसे ही पीछे घूमा, प्रिंस ने गोली मार दी। इसके बाद वह फरार हो गया। जैतपुर थानेदार रजनीकांत पटेल ने बताया कि घायल नागेश्वर ठाकुर के बयान के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। आरोपित प्रिंस कुमार की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। परिजनों और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की गई है। सभी बिंदुओं पर छानबीन की जा रही है।

मां ने नाबालिग बेटी को 50,000 रुपए में बेचा, आरोपी ने दो महीने तक किया दुष्कर्म, कैद से भागी तो गुजरात में मिला 'मसीहा'

(यंग भारत न्यूज)

जिले के धामनोद थाना क्षेत्र से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मां पर अपनी ही नाबालिग बेटी को 50 हजार रुपये में एक अधेड़ व्यक्ति के हाथों बेचने का आरोप लगा है।आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने बच्ची को करीब दो महीने तक अपने घर में बंधक बनाकर रखा और इस दौरान उसके साथ लगातार दुष्कर्म किया।

पीड़िता किसी तरह आरोपी के चंगुल से निकलकर भागी और बाद में गुजरात पहुंची। वहां एक युवक ने उसे सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में मदद की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है।धार पुलिस के अनुसार घटना 26 अप्रैल की बताई जा रही है। आरोप है कि नाबालिग की मां उसे बहला-फुसलाकर धामनोद की मीठा कॉलोनी स्थित पुरुषोत्तम के घर लेकर गई थी। वहां मां ने कथित तौर पर अपनी बेटी का सौदा 50 हजार रुपये में किया और उसे पुरुषोत्तम के हवाले कर दिया। इसके बाद वह वहां से चली गई।पीड़िता के मुताबिक उसे यह अंदाजा नहीं था कि उसे इस तरह एक व्यक्ति के हवाले किया जा रहा है। घर पहुंचने के बाद उसे वहां से बाहर नहीं जाने दिया गया। आरोप है कि पुरुषोत्तम ने उसे अपने घर में बंधक बनाकर रखा।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 26 अप्रैल से 26 जून तक वह आरोपी के कब्जे में रही। इस दौरान आरोपी पुरुषोत्तम ने उसके साथ कई बार जबरन दुष्कर्म किया। बच्ची के विरोध और चीखने-चिल्लाने के बावजूद आरोपी ने उसे नहीं छोड़ा। करीब दो महीने तक वह डर और दबाव के बीच वहां रहने को मजबूर रही। 26 जून 2026 की सुबह करीब 11 बजे पीड़िता को मौका मिला। जब आरोपी की नजर उस पर नहीं थी तब वह किसी तरह वहां से निकलकर भाग गई। इसके बाद वह बदहवास हालत में बस स्टैंड पहुंची। वहां उसकी मुलाकात एक युवक से हुई। पीड़िता ने युवक को अपने साथ हुई पूरी घटना बताई। उसकी स्थिति को देखते हुए युवक संदीप उसे अपने साथ गुजरात के चोटिला गांव ले गया जहां उसे सुरक्षित जगह पर पहुंचाने की कोशिश की गई। मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंचने के बाद धामनोद थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। धामनोद थाना प्रभारी संतोष यादव ने बताया कि मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनमें नाबालिग लड़की की मां और उसे खरीदने वाला आरोपी पुरुषोत्तम पाटीदार शामिल हैं। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करने के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बेटे का यौन शोषण करने वाली मां गिरफ्तार, नशीली दवाई खिलाकर मिटाती थी हवस... बेटे ने ऐसे खोली पोल

(यंग भारत न्यूज)

कोसली थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग बेटे के यौन शोषण के आरोप में पुलिस ने उसकी मां को गिरफ्तार किया है। शिकायत नाबालिग के पिता ने पुलिस को दी थी। महिला पिछले करीब पांच साल से शिकायतकर्ता के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी।

बाद में बेटे ने घटना से जुड़ी वीडियो दिखाई, जिसके बाद उसने गांव के सरपंच को मामले की जानकारी दी। मामले की जानकारी मिलने और पुलिस कार्रवाई की बात सामने आने के बाद महिला रात के समय घर से फरार हो गई। शिकायतकर्ता का आरोप है कि महिला घर से नकदी और गहने भी लेकर गई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी थी।पुलिस को महिला के गुरुग्राम में किराए के मकान में रहने की जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।पुलिस अब उससे पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया कि महिला पहले भी कुछ युवकों के खिलाफ दुष्कर्म के मामले दर्ज करा चुकी है। वर्ष 2020 में उसने अपने पति के खिलाफ भी दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। पुलिस इन सभी तथ्यों की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में उपलब्ध साक्ष्यों और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

3 महीने में 100 किलो सोना आया नेपाल से, कैसे भारत में चल रहा तस्करी का खेल, गजब की होती थी प्लानिंग

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के कन्नौज जिले में दस किलो सोने के साथ पकड़े गए तस्करों से हुई पूछताछ में बड़ा खुलासा हुआ है. जांच में पता चला है कि आरोपी पिछले 3 महीने में नेपाल से करीब 100 करोड़ रुपये का सोना लेकर भारत आए थे.

,ये 100 किलो सोना कुल छह बार में नेपाल से भारत लाया गया. ये सोना यूपी, दिल्ली और अन्य राज्यों में पहुंचाया गया. सोना सप्लाई से हासिल रकम को नेपाल के सप्लायर के पास भेजा गया. कस्टम ने सोमवार को गिरफ्तार आरोपी महराजगंज के संदीप जायसवाल और नेपाल के सरोज पंथ को लखनऊ कोर्ट में पेश किया. कोर्ट के आदेश पर दोनों आरोपियों को 14 दिन के लिए जेल भेजा गया. शुरुआती पूछताछ में सोना देने वाले का नाम भी एजेंसी को बताया गया है.सोना देने वाला दोनों कैरियर को हर बार नया सिम कार्ड दिया जाता था, जिसके जरिए व्हाट्सएप कॉल करके दिल्ली और अन्य राज्यों में आरोपी सोना पहुंचाते थे. कॉल रिसीव करने वाला तय ठिकाने पर रकम देकर सोना लेता था. इन नंबरों का इस्तेमाल केवल सोना डिलीवरी के लिए ही होता था. शुरुआती जांच में सामने आया कि फेक आईडी पर प्री एक्टीवेटेड सिम का इस्तेमाल करता था ये गिरोह.इस गिरोह के तार सर्राफा कारोबारियों से जुड़े होने की बात सामने आ रही है. खाड़ी देशों से सोने की खेप नेपाल पहुंचाई जाती है. फिर उसे सड़क मार्ग से भारत लाकर अलग-अलग राज्यों में भेजा जाता है. सोना सप्लाई करने वालों को हर चक्कर में 1 से 2 लाख रुपए मिलते हैं. दोनों आरोपी सोने की खेप लेकर दिल्ली जा रहे थे. मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि तस्करी का खेल भारत-नेपाल सीमा के महेशपुर बॉर्डर का है. कार चार घंटे के पास पर नेपाल गई, लेकिन करीब साढ़े नौ घंटे बाद वापस लौटी. कस्टम विभाग की जांच में पता चला है कि संबंधित ब्रेजा कार 21 अगस्त को सुबह करीब 9 बजकर 36 मिनट पर महेशपुर बॉर्डर से नेपाल में दाखिल हुई थी. वाहन के लिए कथित तौर पर चार घंटे की अवधि का पास बनाया गया था. लेकिन कार शाम करीब सात बजे महेशपुर बॉर्डर से भारत वापस लौटी.

हिजाब नहीं पहना तो घर में ही गाढ़ दी बीवी-बेटियों की लाशें, यूपी में जल्लाद बना था शौहर; पहले ही कर लिया था मौत के सामान का इंतजाम

(यंग भारत न्यूज)

अब सिर्फ हिजाब विवाद विदेशों तक सीमित नहीं रहा. पिछले कुछ सालों में भारत में भी हिजाब पहनने-न पहनने को विवाद छिड़ा हुआ है. कर्नाटक से लेकर उत्तर प्रदेश तक मुस्लिम युवतियां स्कूल और कॉलेज में हिजाब पहनने की अनुमति मांग रही हैं.वहीं हाल ही में प्रयागराज के टैगोर पब्लिक स्कूल की 11वीं की छात्रा ने स्कूल यूनिफॉर्म के साथ हिजाब पहनने की अनुमति मांगी थी. लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इस पर एक ऐसा फैसला सुनाया जो हैरान कर देने वाला था. हाईकोर्ट का कहना है कि हिजाब पहनना इस्लाम का अनिवार्य हिस्सा नहीं है. और स्कूल को अपना यूनिफॉर्म कोड लागू करने का पूरा अधिकार है. अब सवाल ये उठता है कि देश की बेटियां हिजाब अपनी मर्जी से पहनना चाहती हैं या उन पर परिवार और समाज का कोई दबाव है? बता दें कि पिछली साल हिजाब को लेकर एक ऐसा अपराध सामने आया था जो बेहद शर्मनाक और रौंगटे खड़े कर देने वाला है. दरअसल, उत्तर प्रदेश के शामली में एक शख्स ने हिजाब न पहनने पर अपनी बीवी-बेटियों को मौत के घाट उतार दिया था. चलिए जान लेते हैं क्या था पूरा मामला.

उत्तर प्रदेश के शामली से आया ये मामला कट्टरपंथी को साफ दर्शाता है. यहां एक पिता और शौहर सिर्फ हिजाब के लिए हैवान बन गया था. दरअसल, शामली का रहने वाला शख्स फारुख तंगी के दौर से गुजर रहा था. ये शख्स शादी में रोटी बनाकर अपना घर चलाता था और बच्चों को पालता था. हालात इतने ज्यादा खराब हो गए थे कि बच्चो की पढ़ाई तक छूट गई थी. जिसके बाद उसकी पत्नी ने फैसला लिया कि वो बाहर जाकर नौकरी करेगी और अपने परिवार की कुछ मदद करेगी. लेकिन महिला के शौहर को ये बात ना नागवार गुजरी. फारुख को लगा अगर उसकी पत्नी बाहर काम करने जाएगी तो मोहल्ले वाले क्या बोलेंगे. बस इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ.

जिसके बाद बीवी बिना हिजाब और बुर्के के अपने मायके चली गई. जिसके बाद महिला मायके में एक महीने तक रही. करीब एक महीने बाद फारुख बीवी को तो उसके घर लेने गया लेकिन दिल और दिमाग में नापाक प्लान बनाकर. वहीं फारुख अपनी बीवी को घर ले आया. घर लाने से पहले फारुख बीवी को मारने की पूरी तैयारी कर चुका था. शख्स ने घर के अंदर सेप्टिक टैंक के बहाने एक गहरा गड्ढा खुदवा लिया था. इसके साथ ही कैराना से एक अवैध कट्टा भी खरीद लाया था. जिसके बाद शख्स ने अपनी बीवी को गोली से मार दिया. वहीं जब दोनों बच्चियां गोली की आवाज सुन कमरे से बाहर आईं तो फारुख ने डर से उन दोनों को भी मार डाला. इतना ही नहीं इसके बाद फारुख ने बीवी और बच्चियों की लाश को गड्ढे में डाल दिया और उसे पूरी तरह मिट्टी से ढक दिया. बता दें कि फारुख और ताहिरा के कुल 5 बच्चे थे जिसमें 3 लड़कियां और दो लड़के शामिल थे. जिन बच्चियों की हत्या की गई उनमे 14 साल की बेटी आफरीन और 10 साल की सेहरीन थी. वहीं जब तीन बच्चों ने अपने बाप से माँ और बहनों का पूछा तो उसने कहा कि वो तीनों नानी के घर हैं. वहीं जब लंबे समय तक मायके वालों पर ताहिरा का फोन नहीं पहुंचा तब उन्हें शक हुआ और ताहिरा के पिता ने गांव के प्रधान की मदद से पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई.

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों से मिले पूर्व सैनिक, आंखों में आंसू देख भावुक हुए जवान

पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की टीम ने राठ रोड स्थित वृद्धाश्रम का किया दौरा

- बुजुर्गों को फल, बिस्कुट और नमकीन वितरित कर लिया आशीर्वाद
- परिवार की याद में रो पड़े बुजुर्ग, पूर्व सैनिकों ने दिया अपनापन और ढांढस

(यंग भारत न्यूज)

उरई। राठ रोड स्थित वृद्धाश्रम में पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन की टीम पहुंची तो वहां रह रहे बुजुर्गों के चेहरों पर कुछ समय के लिए अपनापन और खुशी दिखाई दी। पूर्व सैनिकों ने बुजुर्गों के बीच बैठकर उनका हालचाल जाना और फल, बिस्कुट, नमकीन सहित अन्य खाद्य सामग्री वितरित की।इस दौरान परिवार की याद में कई बुजुर्गों की आंखों से आंसू छलक पड़े। भावुक माहौल देखकर पूर्व सैनिक भी अपने आंसू नहीं रोक सके।

एसोसिएशन की टीम ने वृद्धाश्रम पहुंचकर एक-एक बुजुर्ग से बातचीत की। पूर्व सैनिकों ने उनके स्वास्थ्य, खानपान और दैनिक जीवन के बारे में जानकारी ली। बातचीत के दौरान जब बुजुर्गों ने अपने परिवार और बच्चों की बातें साझा करनी शुरू कीं तो माहौल भावुक हो गया। कई माताओं ने रोते हुए बताया कि उन्होंने अपने बच्चों की परवरिश और उनके भविष्य के लिए अपना पूरा जीवन लगा दिया, लेकिन उम्र के अंतिम पड़ाव में वही बच्चे उन्हें अकेला छोड़ गए। बुजुर्ग महिलाओं ने कहा कि आज भी उनका मन परिवार के साथ रहने को करता है। बच्चों के साथ बैठना, उनसे बातें करना और अपने पोते-पोतियों के बीच समय बिताना उनका सपना है, लेकिन परिस्थितियों ने उन्हें वृद्धाश्रम तक पहुंचा दिया। उनकी पीड़ा सुनकर पूर्व सैनिकों की टीम भी भावुक हो गई।कुछ बुजुर्गों ने पूर्व सैनिकों से कहा कि उन्हें देखकर ऐसा लग रहा है जैसे उनके अपने बेटे उनसे मिलने आए हों। उन्होंने भावुक होकर कहा कि काश उनका बेटा भी सैनिक होता तो शायद उन्हें जीवन के इस पड़ाव पर अकेलापन नहीं झेलना पड़ता। बुजुर्गों ने पूर्व सैनिकों को अपना बेटा मानते हुए उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया। इस दौरान कई लोगों की आंखें नम हो गईं। नायब सूबेदार दिनेश निगम ने बुजुर्गों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि वे स्वयं को अकेला न समझें। पूर्व सैनिक समाज के हर जरूरतमंद व्यक्ति के साथ खड़े हैं और समय-समय पर वृद्धाश्रम में आकर बुजुर्गों से मुलाकात करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों का सम्मान और उनकी सेवा करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।एसोसिएशन के प्रदेश संयोजक कैप्टन अखिलेश नगायच ने कहा कि वृद्धजनों का आशीर्वाद किसी भी सेवा कार्य की सबसे बड़ी पूंजी है। टीम का उद्देश्य केवल खाद्य सामग्री वितरित करना नहीं, बल्कि बुजुर्गों के साथ कुछ समय बिताकर उन्हें अपनेपन का एहसास कराना भी है। इस मौके पर संगठन सचिव एवं प्रवक्ता नायब सूबेदार दिनेश निगम, उरई संयोजक हवलदार अनिल सिंह चौहान, सहसंयोजक नायब सूबेदार अनिल अग्निहोत्री, बगरा संयोजक हवलदार रामशरण शर्मा और हवलदार राजाराम पांडे मौजूद रहे।

आरक्षण का लाभ वास्तविक गरीब वंचितों तक पहुंचाने की मांग

- राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम कालपी के माध्यम से सौंपा
- सक्षम लोगों से स्वेच्छा से आरक्षण छोड़ने का किया आह्वान
- आर्थिक वंचना को भी आरक्षण व्यवस्था में प्रमुखता देने की मांग
- अधिवक्ताओं व वरिष्ठ नागरिकों ने ज्ञापन देकर संविधान की मूल भावना का हवाला दिया

(यंग भारत न्यूज)

उरई/कालपी। आरक्षण का लाभ समाज के सबसे नीचे पायदान पर खड़े वास्तविक गरीब और वंचित व्यक्ति तक पहुंचाने तथा सक्षम लोगों से स्वेच्छा से आरक्षण का लाभ छोड़ने का आह्वान किए जाने की मांग को लेकर मंगलवार को राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी कालपी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। ज्ञापन में आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा आर्थिक वंचना के आधार पर किए जाने का भी विनम्र निवेदन किया गया। ज्ञापन प्रस्तुत करने वाले अधिवक्ता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय संविधान और लोकतंत्र में उनकी पूर्ण आस्था है। संविधान की प्रस्तावना में निहित सामाजिक न्याय की भावना तभी सार्थक होगी, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी आगे बढ़ने का वास्तविक अवसर मिले। उन्होंने कहा कि आरक्षण व्यवस्था का उद्देश्य शोषित और वंचित वर्ग को समाज की मुख्यधारा में लाना रहा है और यह व्यवस्था आज भी महत्वपूर्ण है। ज्ञापन में कहा गया कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री के आह्वान पर सक्षम लोगों ने गरीब परिवारों के लिए गैस सब्सिडी छोड़ने की पहल की थी, उसी प्रकार समाज की मुख्यधारा में आ चुके सक्षम लोगों से आरक्षण का लाभ स्वेच्छा से छोड़ने का आह्वान किया जाना चाहिए। इससे आरक्षण के लाभ से वंचित रह जाने वाले जरूरतमंद परिवारों को अवसर मिल सकता है। अधिवक्ता ने यह भी सवाल उठाया कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा समग्र सर्वे सामने नहीं आया है, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि आरक्षण के माध्यम से कितने परिवार सामाजिक और आर्थिक रूप से मुख्यधारा में आ चुके हैं तथा कितने परिवार अभी भी वंचित हैं। ज्ञापन में कहा गया कि आरक्षण का लाभ लगातार सक्षम होते जा रहे परिवारों तक सीमित न रहकर वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचना चाहिए। ज्ञापन में श्रद्धुस और क्रीमी लेयर की अवधारणा का उल्लेख करते हुए आर्थिक वंचना को भी आरक्षण व्यवस्था में प्रमुखता देने की मांग की गई। कहा गया कि गरीब की कोई जाति या मजहब नहीं होता और आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को उसकी वास्तविक स्थिति के आधार पर अवसर मिलना चाहिए। इस दौरान अधिवक्ता राकेश द्विवेदी, सौरभ तिवारी, रोहित सिंह, वरिष्ठ नागरिक संजय सिंह पराशन तथा युवा अधिवक्ता रोहित सिंह चौहान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि मांग आरक्षण के विरोध में नहीं, बल्कि इसे अधिक प्रभावी और वास्तविक वंचितों तक पहुंचाने के उद्देश्य से की गई है। अधिवक्ताओं ने कहा कि सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना को मजबूत करने से ही सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

अवैध ट्रक धुलाई सेंटरों पर प्रशासन का छापा, पंपिंग सेट व दो बाइक जब्त

खबर का असरः कार्रवाई से धुलाई सेंटर संचालकों में मचा हड़कंप, ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने की कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। विकासखंड डकोर क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित हो रहे ट्रक धुलाई सेंटरों के खिलाफ आखिरकार प्रशासन और पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी। ग्रामीणों की शिकायत के बाद ऐर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास संचालित ट्रक धुलाई सेंटर पर पुलिस ने छापेमारी कर दो पंपिंग सेट और दो मोटरसाइकिलों को अपने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के बाद अवैध धुलाई सेंटर संचालकों में हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि ऐर रोड स्थित पेट्रोल पंप के पास लंबे समय से अवैध रूप से ट्रकों की धुलाई का सेंटर संचालित किया जा रहा था। धुलाई के दौरान बड़ी मात्रा में पानी का इस्तेमाल किए जाने के साथ सड़क किनारे पानी फैलने से ग्रामीणों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसको लेकर ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल तक लिखित शिकायतें दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने सेंटर पर छापेमारी की। इस दौरान मौके से दो पंपिंग सेट और दो मोटरसाइकिलों के अलावा एक ट्रैक्टर भी बरामद कर कब्जे में ले ली गईं। जब्त किए गए सामान को उरई कोतवाली क्षेत्र की मंडी पुलिस चौकी में खड़ा कराया गया है। पुलिस की कार्रवाई की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित अन्य धुलाई सेंटरों के संचालकों में भी खलबली मच गई। हालांकि कार्रवाई के बाद भी आरोप है कि कुछ अवैध धुलाई सेंटर संचालक सत्तारूढ़ दल के स्थानीय नेताओं से कथित सांठगांठ कर मामले को रफा-दफा कराने के प्रयास में जुटे हैं। अब देखना यह है कि प्रशासन अवैध रूप से संचालित हो रहे इन धुलाई सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई को आगे भी जारी रखता है या मामला कार्रवाई तक ही सीमित रह जाता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षेत्र में संचालित सभी अवैध ट्रक धुलाई सेंटरों की जांच कराकर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि सड़क किनारे फैलने वाले गंदे पानी और अन्य समस्याओं से लोगों को निजात मिल सके।

विकास खण्ड महेवा के ग्राम हरखूपुर में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन संपन्न

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। तहसील विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में ब्लॉक महेवा के ग्राम पंचायत हरखूपुर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। शिविर का सफल आयोजन जिला विधिक प्राधिकरण जालौन सचिव श्रीमती मनाली चंद्रा जी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। शिविर का संचालन ब्लॉक कदौरा पी0एल0वी अरविंद कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया। इस शिविर में मुखरूप से उपस्थित नायब तहसीलदार कालपी माननीय मुकेश कुमार जी, सप्लाई इस्पेक्टर रसद विभाग श्री प्रफुल्ल मिश्रा जी, लिपिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री शुभम् शुक्ला जी, पी0एल0वी अरविंद पाण्डेय जी, पी0एल0वी गजेंद्र कुमार जी, श्री पंकज पालीवाल जी(प्रधानाध्यापक प्राथमिक स्कूल),श्रीमती संकाली सिंह जी (आगनबाड़ी कार्यकत्री), श्री सुरजीत सिंह (जन साहस), पुलिस महकमें सहित सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला सचिव विधिक प्राधिकरण श्रीमती मनाली चन्द्रा ने लोक अदालत व महिला सशक्तिकरण के विषय पर विस्तार से बताया। इसी क्रम में नायब तहसीलदार मुकेश कुमार जी ने राजस्व से संबंधित व किसान दुर्घटना बीमा व किसान सम्मान निधि के विषय पर विस्तृत जानकारी दी।इसी क्रम में ब्लॉक कदौरा पी0एल0वी अरविंद कुमार पाण्डेय ने मुख्यमंत्री बाल विकास योजना व शासन द्वारा चलाई जा रही विभिन्न पेशनों के विषय में विस्तृत जानकारी प्रदान की।

छह माह से बंद पड़ी गौशाला, फसलों को नुकसान पहुंचा रहे छुट्टा गोवंश

- गुढ़ाखारा गांव के ग्रामीणों ने डीएम को शिकायती पत्र देकर गौशाला संचालन शुरू कराने की मांग की
- अधिकारी नही कर रहे कोई परवाह

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। कालपी तहसील क्षेत्र के महेवा ब्लॉक अंतर्गत गुढ़ाखारा गांव में करीब छह माह से गौशाला का संचालन बंद होने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। इसी मामले को लेकर रशिमी पाल जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय पाल महासभा के नेतृत्व में अनिल कुमार, लखन, बब्लू, मनोज कुमार पाल, अमर सिंह, रामनारायण, लाखन, सुखदेव , रविन्द्र कुमार, राजकुमार, राममूरत आदि ग्रामीणों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भेंट कर आरोप है कि गौशाला बंद होने के कारण छुट्टा गोवंश गांव व आसपास के खेतों में पहुंचकर किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे किसानों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर बताया कि गौशाला लंबे समय से संचालित नहीं हो रही है। इस संबंध में महेवा के खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) को भी अवगत कराया जा चुका है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों का कहना है कि खेतों में खड़ी फसलों को बचाने के लिए किसान दिन-रात निगरानी करने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले को गंभीरता से लेते हुए आवश्यक कानूनी एवं प्रशासनिक कार्रवाई कर बंद पड़ी गौशाला का संचालन जल्द शुरू कराने की मांग की है। उनका कहना है कि गौशाला शुरू होने से छुट्टा गोवंश को आश्रय मिल सकेगा और किसानों की फसलों को हो रहे नुकसान पर भी रोक लगेगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ सकता है।

जालौन के 70 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र, कृषि क्षेत्र को मिलेगी नई मजबूती

मुख्यमंत्री ने लखनऊ से किया नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ, जनपद के विकास भवन में सजीव प्रसारण के दौरान जिलाधिकारी ने नवचयनित युवाओं को दी शुभकामनाएं

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और कृषि व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मा0 मुख्यमंत्री जी ने आज जुपिटर हॉल, इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ से उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया के माध्यम से कृषि विभाग के लिए नवचयनित 3,446 प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) तथा मंडी परिषद में श्रेणी-3, वर्ग-2 के 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

कार्यक्रम का सजीव प्रसारण जनपद जालौन के विकास भवन सभागार में एलईडी के माध्यम से किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह, सदर विधायक के प्रतिनिधि रविन्द्र प्रताप, कालपी विधायक के प्रतिनिधि आशुतोष चतुर्वेदी, विधान परिषद सदस्य के प्रतिनिधि मयंक त्रिपाठी, उप कृषि निदेशक एस.के. उत्तम सहित संबंधित अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं नवनियुक्त प्राविधिक सहायक उपस्थित रहे। सभी ने मा0 मुख्यमंत्री जी के संबोधन एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा और सुना।उप कृषि निदेशक ने बताया कि जनपद जालौन में 70 नवचयनित प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं में नई जिम्मेदारी को लेकर उत्साह दिखाई दिया। इनकी नियुक्ति से कृषि विभाग के क्षेत्रीय कार्यों को और गति मिलेगी तथा किसानों तक शासन की कृषि योजनाओं, तकनीकी जानकारी एवं विभागीय सेवाओं की पहुंच को और प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने नवचयनित प्राविधिक सहायकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकारी सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि कृषि प्रधान जनपद जालौन में प्राविधिक सहायकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी कार्मिक किसानों के साथ संवेदनशीलता और सम्मान के साथ व्यवहार करते हुए शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि किसान की समस्या का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान ही विभागीय कार्यों की वास्तविक सफलता है।जिलाधिकारी ने कहा कि नवचयनित कार्मिक पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें तथा आधुनिक कृषि तकनीकों एवं शासन की किसान हितैषी योजनाओं की जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाने में योगदान दें। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, तकनीकी दक्षता और जिम्मेदार कार्यशैली से जनपद की कृषि व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने भी नवनियुक्त प्राविधिक सहायकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अनिरुद्ध चौधरी को बनाया बसपा ने झांसी मंडल का जोन प्रभारी

बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती के आशीर्वाद से मिली नई जिम्मेदारी, समर्थकों ने दी बधाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई,जालौन। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के निर्देश पर काशीखेड़ा निवासी अनिरुद्ध चौधरी को झांसी मंडल का जोन प्रभारी बनाया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि अनिरुद्ध चौधरी लंबे समय से संगठन से जुड़े हुए हैं और पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उन्हें झांसी मंडल की जिम्मेदारी मिलने से संगठन को मंडल स्तर पर और मजबूती मिलने की उम्मीद है। समर्थकों ने विश्वास जताया कि अनिरुद्ध चौधरी अपने अनुभव और सक्रियता के बल पर संगठन को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को एकजुट कर पार्टी की नीतियों को आमजन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। नई जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उन्हें फूल-मालाएं पहनाकर तथा शुभकामनाएं देकर बधाई दी।

उरई विकास प्राधिकरण की 31 वीं बोर्ड बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। मण्डलायुक्त झांसी/अध्यक्ष उरई विकास प्राधिकरण, उरई श्री विमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में उरई विकास प्राधिकरण की 31वीं बोर्ड बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में वर्चुअल माध्यम से सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में 30वीं बोर्ड बैठक के प्रस्तावों के अनुपालन की समीक्षा की गई तथा प्रस्तावित एजेंडा एवं अवस्थापना निधि से संबंधित प्रस्तावों को सर्वसम्मति से अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नए शहर प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मौजा बडेरा एवं बड़ागाँव तहसील उरई में प्रस्तावित नई टाउनशिप हेतु आपसी सहमति से नियमानुसार भूमि क्रय किए जाने हेतु भूमि दरों का अनुमोदन प्रदान किया गया। उरई महायोजना- 2031 के अंतर्गत निर्धारित विकास क्षेत्र का जोनल प्लान बनाने हेतु बोर्ड द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। जोनल प्लान बन जाने से विभिन्न भू प्रयोग के अंतर्गत अनुमन्य क्रियाओं का मानचित्र स्वीकृत होना आसान हो जाएगा। इसके अतिरिक्त उरई शहर के विभिन्न स्थलों पर सड़क, इंटरलॉक एवं प्रकाश व्यवस्था से सम्बन्धित प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। बोर्ड बैठक में मण्डलायुक्त/अध्यक्ष उरई विकास प्राधिकरण के अतिरिक्त जिलाधिकारी/उपाध्यक्ष उरई विकास प्राधिकरण राजेश कुमार पाण्डेय, सचिव परमानन्द यादव, सहयुक्त नियोजक स्मिता निगम, प्राधिकरण के मुख्य लेखाधिकारी सहित बोर्ड सदस्य बृजभूषण सिंह मुन्नू, डा. अनिल यादव एवं दिलीप दुबे तथा प्राधिकरण के अभियन्ता सहित अन्य समस्त कार्मिक उपस्थित रहे।

- नई टॉउनशिप हेतु भूमि दर का बोर्ड द्वारा अनुमोदन, उरई महायोजना-2031 का बनेगा जोनल प्लान
- शहर में कई स्थलों पर लगेगें हाईमास्ट रोशन होगा शहर

ऑपरेशन कायाकल्प के 19 पैरामीटर पर हुए कार्यों से सुविधाओं से समृद्ध विद्यालय, तकनीक से जुड़कर निखर रही बच्चों की प्रतिभा

विद्यालय में व्यवस्थाओं का लिया जायजा, कक्षाओं में बच्चों से संवाद कर परखी शैक्षिक गुणवत्ता

(यंग भारत न्यूज)

ह्यॉपरेशन कायाकल्प योजनांतर्गत विद्यालयों में निर्धारित 19 पैरामीटर पर कराए गए कार्यों का रेंडम निरीक्षण करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कंपोजिट उच्च माध्यमिक विद्यालय बघोरा-2 का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान छात्र-छात्राओं एवं दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए पृथक शौचालय की व्यवस्था मिली। विद्यालय की सभी कक्षाओं में टाइलीकरण का कार्य भी पूर्ण पाया गया। विद्यालय में स्मार्ट क्लास के माध्यम से भी पठन-पाठन कराया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों को विषयों को सरल एवं रोचक ढंग से समझने में सहायता मिल रही है। स्मार्ट क्लास के माध्यम से आधुनिक शिक्षण पद्धति से जुड़कर छात्र-छात्राओं का ज्ञान एवं बौद्धिक क्षमता विकसित हो रही है और वे विषयों को बेहतर तरीके से समझ पा रहे हैं। इसके उपरांत जिलाधिकारी कक्षा 4 एवं 6 में पहुंचे और छात्र-छात्राओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पढ़ाई के संबंध में जानकारी लेते हुए उनके पठन-पाठन एवं बौद्धिक ज्ञान को परखा। जिलाधिकारी ने गणित के सवाल हल कराए तथा बच्चों से पहाड़े सुने। विद्यार्थियों ने उत्साह और आत्मविश्वास के साथ प्रश्नों के उत्तर दिए। कक्षा में पर्यावरण संरक्षण से संबंधित पाठ पढ़ाया जा रहा था। इसी

दौरान एक छात्रा ने नीम के पेड़ के महत्व पर सुंदर कविता प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। 'लहराता-बलखाता नीम, दिनभर हँसता-गाता नीम...' से शुरू हुई कविता में नीम के औषधीय गुणों, प्रदूषण को कम करने और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में इसकी भूमिका को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। छात्रा की प्रस्तुति पर जिलाधिकारी ने उसकी सराहना करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। कक्षा में महापुरुषों के चित्र भी लगाए गए थे। जिलाधिकारी ने छात्राओं से चित्रों को देखकर महापुरुषों के नाम तथा उनके जीवन और योगदान से जुड़े प्रश्न पूछे, जिनका छात्राओं ने आत्मविश्वास के साथ सही उत्तर दिया। जिलाधिकारी ने बच्चों की प्रतिभा, ज्ञान और अभिव्यक्ति की सराहना की। कक्षा में बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा ने खींचा ध्यान कक्षा में छात्र-छात्राओं ने कला के माध्यम से गिलास और उसकी छाया की सुंदर आकृति उकेरी। बच्चों की बारीकी से की गई कलाकारी और कल्पनाशीलता ने उनकी रचनात्मक सोच को दर्शाया। सरल वस्तु को कलात्मक रूप देने की उनकी क्षमता ने कक्षा के शैक्षणिक वातावरण को और जीवंत बनाया। जिलाधिकारी ने बच्चों की कलात्मक प्रतिभा को सराहा और उन्हें अपनी रुचियों को निरंतर निखारने के लिए प्रोत्साहित किया। विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थाओं को देखते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट क्लास जैसी आधुनिक सुविधाओं के माध्यम से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी शिक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिल रही है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि तकनीक आधारित शिक्षण का अधिकतम उपयोग करते हुए विद्यार्थियों की जिज्ञासा, रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता को निरंतर विकसित किया जाए। साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के तहत उपलब्ध कराई गई सुविधाओं का नियमित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलता रहे। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह आदि मौजूद रहे।

नावर में चकबंध निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़। रामपुरा विकासखंड के ग्राम नावर में बीबीजी रामजी योजना (पूर्व नाम मनरेगा) के तहत कराए जा रहे चकबंध निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी माधौगढ़ को शिकायती पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच और मौके पर स्थलीय निरीक्षण कराए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि चकबंध निर्माण का कार्य धरातल पर दिखाई नहीं दे रहा है, जबकि कागजों में कार्य कराया जाना दर्शाया जा रहा है।

ग्राम नावर निवासी शिवपाल पुत्र श्रीराम सहित अन्य ग्रामीणों ने शिकायती पत्र में बताया कि गांव में ग्राम रोजगार सेविका के माध्यम से बीबीजी रामजी योजना के अंतर्गत चकबंध निर्माण का कार्य कराया जा रहा है। आरोप है कि मौके पर निर्धारित कार्य नहीं हो रहा है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके पास मौके की लाइव लोकेशन सहित फोटो भी उपलब्ध हैं, जिनसे स्थल की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। ग्रामीणों के मुताबिक, उन्होंने इस मामले की शिकायत 21 अगस्त

2026 को आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से भी दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि बाद में केवल खानापूर्ति के लिए दो व्यक्तियों को मौके पर भेजा गया, जो कथित तौर पर घास काटते दिखाई दिए। ग्रामीणों ने यह भी सवाल उठाया कि आसपास के खेतों में फसलें खड़ी होने के कारण चकबंध निर्माण कार्य को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि योजना के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है। उनका कहना है कि मामले की सच्चाई अभिलेखों की जांच के साथ-साथ मौके के स्थलीय निरीक्षण से ही सामने आ सकती है। उन्होंने मांग की कि संबंधित कार्य के मस्टर रोल, भुगतान, कार्यस्थल और अन्य अभिलेखों की जांच कराई जाए। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से किसी सक्षम अधिकारी को मौके पर भेजकर निष्पक्ष जांच कराने तथा अनियमितता मिलने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। शिकायत के बाद अब ग्रामीणों की नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है।

दुकान खाली न करने व धमकी देने की शिकायत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। स्थानीय नगर के मोहल्ला रामचबूतरा निवासी एक व्यक्ति ने किरायेदार पर दुकान खाली न करने, किराए का भुगतान नहीं करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य को शिकायती पत्र सौंपकर कार्यवाही करने की मांग की है। इस सम्बन्ध में शिकायतकर्ता इसरार निवासी मोहल्ला रामचबूतरा ने उपजिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि वह पेपर वर्क का कार्य करता है। उसके मकान के नीचे एक दुकान स्थित है, जिसे मोहल्ला रामचबूतरा निवासी आरोपी शमशाह पिछले पांच-छह वर्षों से किराए पर लिए हुए है। पीड़ित इसरार कि किरायेदार द्वारा काफी समय से दुकान का किराया नहीं दिया जा रहा है और दुकान खाली करने को कहने पर कथित रूप से अभद्रता एवं गाली-गलौज की जाती है। आरोप है कि किरायेदार धमकी देते हुए कहता है कि उसके पास लाइसेंसी बंदूक है और वह शिकायतकर्ता को जान से मार देगा। आरोपी उसे यह भी कहता है कि वह जहां चाहे शिकायत कर दे, उसका कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। इससे शिकायतकर्ता ने स्वयं को भयभीत बताते हुए उपजिलाधिकारी से मामले की जांच कराकर उचित कार्यवाही कराने तथा दुकान खाली कराने में आवश्यक मदद की मांग की है।

रात में एसडीएम ने डेढ़ लाख रुपये कीमत का संदिग्ध खोवा पकड़ा, स्कार्पियो सीज

-खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने नमूने लेकर जांच के लिए भेजे, कोल्ड स्टोरेज में कराया भंडारण

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। आगामी पर्वों को देखते हुए मिलावटी एवं अखाद्य खाद्य पदार्थों के खिलाफ प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार तड़के कालपी में बड़ी कार्रवाई की गई। उपजिलाधिकारी विनय कुमार मौर्य के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने हाईवे रोड पर एक स्कार्पियो से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का संदिग्ध खोवा बरामद किया।

बताया गया कि मंगलवार सुबह करीब चार बजे उरई से स्कार्पियो में करीब 5 कुंतल खोवा लादकर कानपुर की ओर ले जाया जा रहा था। कालपी हाईवे पर उपजिलाधिकारी विनय कुमार वर्मा के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों एवं पुलिस की टीम ने वाहन को रोककर उसकी जांच की।

वाहन में भारी मात्रा में खोवा भरा मिला।खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. चेतराम, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. विनोद राय तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी कन्हैयालाल यादव, महेश प्रसाद की टीम ने खोवा के नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेज दिए। बरामद खोवा को कालपी के एक कोल्ड स्टोरेज में जब्त कर सुरक्षित भंडारित कराया गया है।विभागीय सूत्रों के अनुसार प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आवश्यक विधिक कार्यवाही की जाएगी। बताया गया कि बरामद 5 कुंटल खोवा राजेंद्र नगर, उरई निवासी रविंद्र वर्मा पुत्र हरिदास वर्मा का है। त्योहारों के दौरान खोवा-मावा की मांग बढ़ने के मद्देनजर प्रशासन द्वारा लगातार खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। संयुक्त टीम की इस कार्यवाही से मिलावटखोरों एवं संदिग्ध खाद्य सामग्री का कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

जंतर-मंतर से उठी युवा आवाज़: बच्चों के भविष्य से समझौता बर्दाश्त नहीं' एड. अनुराग गुप्ता

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ़(जालौन) यूजीसी के विवादित प्रावधानों के विरोध में दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर युवाओं का ज़ोरदार प्रदर्शन जारी है। इस आंदोलन में जालौन (माधौगढ़) के युवा नेता एडवोकेट अनुराग गुप्ता ने अपने समर्थकों के साथ पहुँचकर युवाओं की आवाज़ को बुलंद किया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एडवोकेट अनुराग गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई किसी जाति या वर्ग के ख़िलाफ़ नहीं है, बल्कि देश के बच्चों के सुनहरे भविष्य, समान अवसर और शैक्षणिक पारदर्शिता के लिए है। अनुराग गुप्ता ने कहा, 'हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और गृह मंत्री अमित शाह जी से गुजारिश करते हैं कि जिन नीतियों को लेकर देश के युवाओं में गहरा असंतोष है, उन पर तुरंत पुनर्विचार किया जाए। लोकतंत्र में जनता और युवाओं की भावना का सम्मान करना ही सरकार का प्रथम कर्तव्य है।' उन्होंने चेतावनी दी कि यदि माँगों पर जल्द सकारात्मक रुख नहीं अपनाया गया, तो इस आंदोलन को देशव्यापी स्तर पर पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीक़े से आगे बढ़ाया जाएगा।

प्रभारी निरीक्षक ने एक दर्जन लोगों पर बड़ा गुंडा तथा दो दर्जन लोगों पर मिनी गुंडा की कार्यवाही की उक्त कार्रवाई से नगर व क्षेत्र में हड़कंप मचा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 25 अगस्त। नगर एवं कोतवाली सर्कल में सदैव अमन शांति बनाए रखने के उद्देश्य से प्रभारी निरीक्षक ने 36 लोगों पर बड़ा गुंडा तथा मिनी गुंडा के तहत शीर्ष अधिकारियों के अनुमोदन पर चालानी रिपोर्ट दर्ज कर संबंधित अदालत में रिपोर्ट भेज कर कार्यवाही की।

पुलिस के मुताबिक प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी ने पुलिस बल के साथ नगर तथा क्षेत्र में भ्रमण करके अमन शांति का जायजा लिया वहीं पर कई दिनों से जनता की शिकायत पर शरारती तथा उपद्रव करने वाले लोगों पर शिकंजा कसते हुए एक दर्जन लोगों पर बड़ा गुंडा की कार्रवाई तथा दो दर्जन लोगों पर मिनी गुंडा की कार्रवाई करते हुए उन्होंने नगर और क्षेत्र में भ्रमण दौरान लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया साथ में उन्होंने कहा कि जो भी शांति व्यवस्था में व्यवधान डालेगा ऐसे व्यक्तियों पर कानून का डंडा चलकर मुकदमा कायम कर जेल के सलाखों के पीछे भिजवाना मेरी पहली प्राथमिकता होगी नगर व क्षेत्र में चाहे जितनी पहुंच वाला क्यों न हो यदि अपराध की श्रेणी में कोई भी आएगा उसके साथ कानूनी कार्यवाही कर जेल भेजा जाएगा मेरे रहते हुए नगर व क्षेत्र में सदैव अमन शांति बनाए रखने में सदैव अग्रसर रहूंगा।

सावन के चौथे सोमवार को शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी

(यंग भारत न्यूज)

माधौगढ जालौन) सावन के आखरी सोमवार को नगर के शिव मंदिरों में सुबह से लेकर देर रात तक काफी चहल पहल देखी गई नगर के प्रसिद्ध रामेश्वर मंदिर भुरेश्वर महादेव मंदिर रारूआश्वर महादेव मंदिर अचेलेश्वर शिव मंदिर निचाउडी महादेव मंदिर महाकालेश्वर मंदिर सहित नगर के सभी शिव मंदिरों में भक्तों द्वारा विशेष पूजा पाठ किया गया। भक्तों द्वारा अभिषेक भजन कीर्तन हवन पूजन का कार्य क्रम किया गया। मंदिर पर दर्शन करने वालो की भारी भीड़ मौजूद रही। देर रात तक शिव मंदिरों में आरती होती रही और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।कवाडियो ने भोलेनाथ के दर्शन किए एवं कावर का जल चढ़ाया शिव भक्तो ने दूर-दूर से शिवजी के लिये संकुआ धाम पचनद धाम हरिद्वार से जल भरकर डाक कावर डीजे गाजे बाजे के साथ शिव मंदिरों पर जल अभिषेक किया शिव मन्दिरो पर पुलिस की बढ़िया व्यवस्था रही । इस सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाल विनोद कुमार मिश्रा सिंह एसआई दिनेश कुमार तोमर यादव एस आई अदिल खान एस आई सन्तोष कुमार पुलिस जितेन्द्र कुमार मनीष सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहें।शिव भक्त शिवम याज्ञिक दीलीप कुमार राज अमन अछित कल्लू दीपक गोटीराम उमेश हरचरन प्रीति संगीता सीमा भोला बन्नो किट्टू गुल्लो ईशा अदि कावर मे सामिल हुये

तहसीलदार ने लेखपालों की साप्ताहिक बैठक में दिये आवश्यक निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। मंगलवार को तहसीलदार श्रीष कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में लेखपालों की साप्ताहिक बैठक सम्पन्न हुई। मीटिंग में उन्होंने निर्देश दिया कि शासकीय कार्यों तथा दैवीय आपदा के प्रकरणों को गतिशीलता से निस्तारण किया जाये।

तहसील सभागार में आयोजित बैठक को सम्बोधित करते हुये तहसीलदार मिश्रा ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री का कार्य जल्द निपटाया जाये।जिन किसानों की खतौनियों में जो भी कमियां हैं जैसे अंश,गलत नामो आदि को जल्द ठीक किया जाये। बरासत के मामले किसी भी सूरत में लम्बित नहीं रहना चाहिए।मीटिंग में आईजीआरएस के पुनर्जीवित प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिये शासन के द्वारा जो नये नियम आये उसकी व्याख्या करके अवगत कराया है। उन्होंने कहा कि आईजीआईएस प्रार्थना पत्रों का गुणवत्तापूर्ण निदान किया जाये। कुरा बंटवारा की पत्रावली कि आख्या निर्धारित समय में न्यायालय में पेश की जाये। तहसीलदार ने कहा कि देवी आपदा के मामले का जल्द समाधान किया जाए मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा में की पत्रावलियां तत्परतापूर्वक निस्तारित करके आश्रितों को 5 लाख रुपए की धनराज प्रदान कराई जाए। मीटिंग में राजस्व निरीक्षक राजेंद्र कुमार, प्रमोद दुवे,हरेंद्र सिंह सेंगर,सुरेश कुमार, लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष जयवीर सिंह, जितेंद्र सिंह, राघवेन्द्र सिंह निरंजन, एसके महान,शिव मंगल पाठक, विभा, योगेश कुमार,अमित कुशवाहा, प्रशासनिक अधिकारी धीरज पुरवार, शैलेंद्र कुमार, सलीम खान,सैयद टीपू हाशमी, अब्दुल बाकी,उदय निरंजन आदि कर्मचारी मीटिंग में मौजूद रहे।

200 मीटर कच्ची सड़क को पक्का कराने की मांग

जलभराव से 500 लोगों की बढ़ी परेशानी

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। नया पटेल नगर स्थित देशी रसोई के पीछे रहने वाले धर्मेंद्र पांचाल के नेतृत्व में रवि शर्मा, प्रेमनारायण, विनय पांचाल, छमा तिवारी, आकाश सहित दर्जनों लोगों ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर करीब 200 मीटर कच्चे रास्ते को पक्का कराने की मांग की है। कि बरसात के दिनों में रास्ते पर जलभराव और बड़े-बड़े गड्ढों के कारण आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। प्रार्थना पत्र में बताया गया कि मोहल्ले में करीब 80 घर हैं, जिनमें लगभग 500 लोग निवास करते हैं। यहां की मुख्य सड़क कच्ची होने के साथ ही जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं। बारिश के दौरान जलभराव होने से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, जलभराव के कारण आकस्मिक सेवाएं भी प्रभावित हो रही हैं। मोहल्लेवासियों के मुताबिक दोपहिया वाहन गड्ढों में गिरने से लोग चोटिल हो रहे हैं। इस समस्या से नगर पालिका और सदर विधायक को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अभी तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। प्रार्थना पत्र में जिलाधिकारी से मांग की गई है कि मोहल्लेवासियों की समस्या को ध्यान में रखते हुए करीब 200 मीटर कच्चे रास्ते को जल्द से जल्द पक्का कराया जाए। साथ ही रास्ता बनने तक जलभराव की समस्या से निजात दिलाने और लोगों के आवागमन के लिए वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था कराने की मांग की गई है मोहल्लेवासियों ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन उनकी समस्या का संज्ञान लेकर जल्द कार्रवाई करेगा।

उप निरीक्षक ने वारंटी को दबोच कर जेल भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 25 अगस्त। अदालत से आए हुए वारंट पर उप निरीक्षक ने वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर संबंधित वारंट के तहत पुलिस हिरासत में जेल भेजा।

कोतवाली कालपी के प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी के निर्देश पर उप निरीक्षक देवेंद्र सिंह भदोरिया ने अदालत से आए हुए वारंट को कोतवाली कार्यालय से प्राप्त कर पुलिस बल के साथ सोमवार के दिन गिरफ्तारी में जुटे हुए थे वहीं सूचना पाकर पहुंची पुलिस टीम ने मोहल्ला रामगंज निवासी वारंटी गंगा उर्फ गंगाराम पुत्र गंधीराम को दरवाजे के बाहर से गिरफ्तार कर संबंध वारंट के तहत वारंटी अभियुक्त पुलिस हिरासत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में डाक्टरी परीक्षण कराकर संबंधित अदालत में भेजा।

राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा के जिलाध्यक्ष बने अंशुमान

(यंग भारत न्यूज)

कालपी -उरई। राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा ने संगठन का विस्तार करते हुए अंशुमान तिवारी को जालौन जिले का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है। उनका मनोनयन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम तिवारी की संस्तुति से किया गया। अंशुमान तिवारी के जिलाध्यक्ष बनने पर संगठन एवं समाज के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। राष्ट्रवादी ब्रह्म महासभा के राष्ट्रीय महासचिव योगेन्द्र द्विवेदी ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर खुशी जताई है।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अंशुमान तिवारी ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह संगठन की नीतियों एवं विप्र समाज के हितों के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन को जिले में और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के सहयोग से निरंतर प्रयास किया जाएगा।

झांसी की रहने बाली युवती प्रेमी की तलाश में आजाद नगर निवासी युवक के घर पहुंची

युवती के घर पहुंचते ही मचा हड़कंप, सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस

(यंग भारत न्यूज)

कोंच झांसी की रहने वाली एक युवती मंगलवार सुबह अपने प्रेमी युवक की तलाश में नगर के आजाद नगर स्थित उसके घर पहुंच गई। अचानक युवती के प्रेमी के घर पहुंचने से मुहल्ले में हड़कंप मच गया और मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। प्रेमी और प्रेमिका अलग-अलग धर्मों के होने के कारण हिंदूवादी संगठन भी खासे सक्रिय दिखाई दिए।प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और युवती व युवक के परिजनों से पूछंताछ कर मामले की जानकारी हासिल की। युवती ने मुहल्ले के लोगों को बताया कि वह झांसी की रहने वाली है और कोंच

निवासी युवक पिछले कुछ समय से उसे शादी का झांसा दे रहा था। युवती के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों से युवक ने उससे संपर्क तोड़ दिया था।इसके बाद वह युवक की तलाश करते-करते कोंच स्थित उसके घर पहुंच गई। उसे जानकारी नहीं थी कि युवक शादीशुदा और तीन बच्चो का पिता है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछंताछ कर पूरे मामले की छानबीन में जुटी है।फिलहाल, पुलिस ने युवती को उसके घर भिजवा दिया है। गौरतलब यह भी है कि युवती और युवक अलग-अलग धर्मों से ताल्लुक रखते हैं। इस मसले को लेकर हिंदूवादी संगठन भी सक्रिय दिखाई दिए।वही लडकी जिस समाज से ताल्लुक रखती थी उस समाज के भी काफी लोग कोतवाली पहुंच गए।

क्या कहा कोतवाल ने

प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि युवती युवक से मिलने आई थी लेकिन युवक मिला नहीं है और युवती ने अभी कोई तहरीर भी नहीं दी है। वह वापस अपने घर चली गई है। अगर वह तहरीर देती है तो आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

एनएसटी स्कूल की छात्राओं ने भारतीय सैनिकों को भेजनें को तैयार की राखियाँ

भावनात्मक विचारों को पत्रों के माध्यम से भारतीय सैनिकों तक पहुंचाया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। रक्षाबंधन के पर्व को देशभक्ति और भाईचारे की भावना से जोड़ते हुए एनएसटी स्कूल की छात्राओं ने भारतीय सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए विशेष पहल की है। छात्राओं ने अपने हाथों से सुंदर एवं आकर्षक राखियां तैयार कीं और इन राखियों के साथ अपने भावनात्मक विचारों को पत्रों के माध्यम से भारतीय सैनिकों तक पहुंचाया है। विद्यालयों की छात्रा सुमेरा अंसारी, नूरसबा, दीपाली तोमर, शाजिया अंसारी, देवांशी आदि ने रक्षाबंधन को केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व न मानकर देश की रक्षा में समर्पित भारतीय जवानों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के अवसर के रूप में मनाया। छात्राओं ने रंग-बिरंगी राखियों को बड़ी मेहनत और उत्साह के साथ तैयार किया। राखियों में उनकी रचनात्मकता के साथ-साथ देशभक्ति की भावना भी स्पष्ट दिखाई दी। छात्राओं ने अपने पत्रों में भारतीय सैनिकों के साहस, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और देश के प्रति समर्पण को नमन करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि

देशवासी अपने परिवारों के साथ त्योहार मना सकें, इसके पीछे आप वीर सैनिकों की निस्वार्थ सेवा और सतर्कता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए वह अपने इन भाइयों को राखी भेज रही हैं। छात्राओं ने बताया कि उनके लिए यह गर्व का विषय है कि वे रक्षाबंधन के अवसर पर अपने सैनिक भाइयों को राखी भेजकर उनके प्रति अपने स्नेह और सम्मान व्यक्त कर रही हैं। संचालक जसवंत सिंह तोमर ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, मानवीय संवेदनाएं और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। यह अवसर बच्चों को देश के वीर जवानों के योगदान को समझने और उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने का अवसर है।

प्रतिबंधित अवधि में अवैध मत्स्य निकासी व परिवहन पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। प्रतिबंधित अवधि के बावजूद नदियों तथा जल स्रोतों से अवैध रूप से मछलियों की निकासी और उनके परिवहन का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। मत्स्य अधिकारी ने जिलाधिकारी को सौंपे गए शिकायती पत्र पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मत्स्य विभाग के अधिकारी ने कालपी कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया गया था कि कालपी क्षेत्र के यमुना नदी प्रमुख जल निकायों में कुछ लोग रात और तड़के सुबह के समय बड़े पैमाने पर अवैध रूप से मछलियों का शिकार कर रहे हैं। इसके बाद मछलियों को वाहनों में लादकर अन्य मंडियों एवं क्षेत्रों में भेजा जा रहा है। शासन द्वारा मछलियों के प्रजनन काल और जलीय पर्यावरण के संरक्षण को ध्यान में रखते हुए निर्धारित प्रतिबंधित अवधि में इस तरह की गतिविधियां मत्स्य संपदा और जलीय पारिस्थितिकी के लिए नुकसानदायक हैं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग एवं पुलिस अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद कालपी कोतवाली पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी।अब प्रशासन ने नदियों के आसपास निगरानी बढ़ाई गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक प्रतिबंधित अवधि में अवैध मत्स्य शिकार एवं परिवहन करने वालों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

किशोरी से छेडछाड के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर पॉक्सो एक्ट में जेल भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने वाले युवक के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर पुलिस ने उक्त युवक को जेल भेज दिया है। इस सनसनीखेज मामले में किशोरी द्वारा युवक की चप्पलों से पिटाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। यह मामला उस प्रकरण से भी जुड़ा है जिसमें किशोरी ने अपने ही पिता पर गंभीर आरोप लगाकर उसके खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई थी। हालांकि मुहल्ले वालों ने भी उक्त युवक की कुटाई पिटाई करके पुलिस को सौंप दिया था और किशोरी ने प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन मंगलवार को किशोरी के दादा ने तहरीर देकर बताया कि 23 अगस्त 2026 की रात 11 बजे आजाद नगर का रहने वाला युवक नजरुद्दीन उर्फ नजर खान पुत्र इजराईल घर पर आया और गेट पर दस्तक दी। जब उसकी 16 वर्षीय नातिन ने दरवाजा खोला तो वह घर में घुस आया और नातिन के साथ गलत हरकत करने लगा।प्रार्थनापत्र में बताया नातिन चिल्लाई जिस पर मुहल्ले के लोग आ गए और युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की संबंधित धाराओं तथा 7/8 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। मामला इसलिए भी गंभीर है कि युवक गैर धर्म का है। गौरतलब यह भी है कि उक्त किशोरी ने एक दिन पहले ही अपने पिता पर शराब के नशे में जबरन शारीरिक संबंध बनाने का प्रयास करने और विरोध करने पर धमकी देने का आरोप लगा कर एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में सोमवार को उस समय नया मोड़ आ गया था जब किशोरी ने उक्त युवक पर तीन माह से परेशान करने और रविवार रात घर में घुसकर गलत हरकत करने का आरोप लगाया था।

क्या बोले कोतवाल

कोतवाल निगवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

पालिका की बोर्ड बैठक! 11 प्रस्ताव पटल पर रखे गए, सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर पालिका की बोर्ड बैठक का आयोजन पालिका सभागार में हुआ। जिसमें 11 प्रस्ताव पटल पर रखे गए। सभी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास हुए। नगर पालिका चेयर पर्सन नेहा पुनीत मित्तल की अध्यक्षता और ईओ सुशील कुमार की उपस्थिति में नगर पालिका की बोर्ड बैठक का आयोजन पालिका सभागार में हुआ। जिसमें 15वां वित्त आयोजन की कार्ययोजना में स्वीकृत एमआरएफ सेंटर के विस्तारीकरण के कार्य का स्थान परिवर्तन किए जाने का प्रस्ताव पेश किया गया। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। हरीपुरा तालाब के स्थान पर किसी दूसरे स्थान पर तालाब बनवाने का प्रस्ताव भी पास हुआ। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों एवं सभासद के द्वारा वार्डों में टूट फूट के निर्माण से संबधित प्रस्ताव को भी सर्वसम्मति से पास किया गया। गोशाला में जाली एवं शेष खाली भूमि पर पौधों का रोपण कराए जाने संबंधी प्रस्ताव पर भी मुहर लगी। वेट वेस्ट प्लांट के निर्माण के लिए भूमि की आवश्यकता है। जिसके लिए भूमि का चयन किए जाने संबंधी प्रस्ताव पर भी सहमति बनी।

कांग्रेस का संगठन सृजन अभियान- कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूती का दिया गया मंत्र

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कांग्रेस नगर इकाई की ओर से संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कोंच का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन पहाड़गांव रोड स्थित एक विवाह घर में किया गया। इसमें कांग्रेस के पदाधिकारियों और

कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य ऑब्जर्वर दौसा, राजस्थान के सांसद मुरारी लाल मीणा रहे। वहीं विशेष ऑब्जर्वर पूर्व गरौठा विधायक बृजेन्द्र व्यास डमडम महाराज तथा ऑब्जर्वर ब्रजराज अहिरवार और सुनील जैन खजूरिया मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर ने भी शिरकत करते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।मुख्य अतिथि मुरारी लाल मीणा ने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने और आम जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनीतिक संगठन की मजबूती उसके कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका से होती है।कार्यकर्ताओं को जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए संगठन की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का काम करना चाहिए।विशेष ऑब्जर्वर बृजेन्द्र व्यास डमडम महाराज और अन्य पर्यवेक्षकों ने भी कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की अपील की। जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और मजबूत किया जा रहा है।कार्यक्रम के दौरान आगामी संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों को लेकर भी चर्चा की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस मौके पर कांग्रेस नगर अध्यक्ष राघवेंद्र तिवारी,पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सिद्धार्थ दीवौलिया,श्रीनारायण दीक्षित,अनिल पटैरिया, रामकिशोर पुरोहित, जाहिद, अजादुद्दीन, रामरूप, प्रमोद शुक्ला,विक्की दुवे, श्याम रिछारिया,अखिल वैद,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पारिवारिक जमीनी विवाद को लेकर युवक ने किया हाईवोल्टेज ड्रामा, पत्नी बच्चो सहित चढ गया पानी की टंकी पर

-मौके पर पहुंची पुलिस घंटो रही हलकान

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार सुबह पारिवारिक जमीनी विवाद को लेकर एक युवक पानी की टंकी पर चढ़ गया। युवक करीब दो घंटे तक टंकी पर बैठा रहा और नीचे कूदने की धमकी देता रहा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस दौरान युवक का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

बताया जा रहा है कि तीन भाइयों के बीच जमीन और मकान के बंटवारे को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। बंटवारे में युवक को घर का पीछे का हिस्सा मिला था। युवक का कहना था कि पीछे का हिस्सा मिलने के कारण वहां से बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल रहा है। इसी बात से नाराज होकर सोनू कुशवाह पुत्र भगवानदास निवासी गोखले नगर अपनी पत्नी शालिनी तथा पुत्री सादबी उम्र 6 वर्ष,बेसनबी उम्र 4 वर्ष, पुत्र हार्दिक उम्र 2 वर्ष सरोजिनी नायडू पार्क के सामने स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गया।युवक के टंकी पर चढ़ने की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।प्रभारी निरीक्षक निगवेंद्र प्रताप सिंह और खेड़ा चौकी प्रभारी शिवनारायण सहित भारी पुलिस बल ने युवक को काफी देर तक समझाने का प्रयास किया तथा पारिवारिक विवाद का समाधान कराने का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब दो घंटे बाद युवक टंकी से नीचे उतर आया।घंटो हलकान रही पुलिस ने राहत की सांस ली और मामले की जानकारी जुटाकर आगे की कार्रवाई शुरू की।

बेची हुई जमीन पत्नी के नाम दान करने व धमकाने पर पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक व्यक्ति ने जमीन बेचकर 2.50 लाख रुपये लेने के बाद उसी जमीन का दानपत्र अपनी पत्नी के नाम पंजीकृत करा दिया। जब जमीन का खरीदार खेत में बुवाई करने पहुंचा तो उसे कथित रूप से जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया गया। पीड़ित की शिकायत पर न्यायालय के आदेश के पर कालपी कोतवाली पुलिस ने आरोपी पति-पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है।

उक्त प्रकरण को लेकर ग्राम पड़री मुस्तकिल निवासी ज्ञानेन्द्र सिंह पुत्र हरजन सिंह ने मुकदमा दर्ज कराते हुए अवगत कराया है कि उसने मौजा उरकरा कलां स्थित आराजी संख्या 1425, रकबा 1.011 हेक्टेयर के एक-तिहाई हिस्से का पंजीकृत बैनामा 18 अक्टूबर 2016 को ग्राम नरहान निवासी आरोपी सहदेव सिंह पुत्र शिरोमन सिंह से कराया था। इसके लिए उसने 2.50 लाख रुपये दिए थे। बैनामे के बाद उसे जमीन पर कब्जा भी मिल गया था, लेकिन राजस्व अभिलेखों में उसका नाम दर्ज नहीं हो सका। राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज न होने का फायदा उठाकर सहदेव सिंह ने 6 सितंबर 2023 को पहले से बेची गई जमीन का पंजीकृत दानपत्र अपनी पत्नी के नाम कर दिया। इसके बाद उसकी पत्नी ने भी कथित रूप से राजस्व अभिलेखों में अपना नाम दर्ज करा लिया। 10 जुलाई 2026 की शाम करीब पांच बजे वह अपने खेत पर बुवाई करने पहुंचा। इसी दौरान आरोपी ने उसे रोक दिया और कहा कि दोबारा खेत पर आने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर बिबेचना शुरू कर दी है।

घायल बंदर का पशु चिकित्साधिकारी ने किया उपचार

(यंग भारत न्यूज)

कालपी-उरई। घायल एवं बीमार पशुओं की देखभाल को लेकर प्रशासन द्वारा सतर्कता बरती जा रही है। मंगलवार को नगर के मोहल्ला इंदिरा नगर में घायल अवस्था में मिले बंदर का एसडीएम विनय कुमार मौर्य के निर्देश पर राजकीय पशु चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी ने उपचार किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इंदिरा नगर मोहल्ले में एक बंदर घायल अवस्था में पड़ा था। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना प्रशासन को दी। मामले की जानकारी मिलने पर एसडीएम विनय कुमार मौर्य ने आवश्यक निर्देश दिए। राजकीय पशु चिकित्सालय के चिकित्साधिकारी डॉ. देवेंद्र सिंह चौहान अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घायल बंदर का स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्साधिकारी ने उपचार कर बंदर को शारीरिक रूप से स्वस्थ किया।प्रशासन की तत्परता और घायल पशु का समय पर उपचार किए जाने पर स्थानीय लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की।

खम्बा टूटने से झुकी विधुत लाइन के कारण ग्रामीणों के बीच हादसे की आशंका बढी

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम हरीपुरा में माता मंदिर के पास बिजली का खंभा टूटने से विद्युत लाइन काफी नीचे लटक गई है। लंबे समय से इसी स्थिति में पड़ी लाइन के कारण ग्रामीणों के बीच हादसे की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि खंभा टूटने के बाद से कई बार बिजली निगम के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी जा चुकी है, लेकिन अब तक नया खंभा नहीं लगवाया गया है। ग्राम हरीपुरा में माता मंदिर के पास लगा बिजली का खंभा करीब छह माह से टूटा पड़ा है। इसी खंभे के सहारे बिजली की लाइन गुजर रही

थी। खंभा टूटने के बाद लाइन का एक हिस्सा नीचे झुक गया है। मंदिर के आसपास लोगों का आवागमन भी रहता है, ऐसे में नीचे लटकती विद्युत लाइन किसी भी समय हादसे का कारण बन सकती है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के लोगों को इस समस्या की जानकारी है, इसलिए वे नीचे लटक रही लाइन से बचकर निकलते हैं। लेकिन गांव से गुजरने वाले बाहरी लोगों, राहगीरों अथवा किसी बड़े वाहन के चालक को इसकी जानकारी न होने के कारण खतरा और बढ़ जाता है। प्रधान गीता मिश्रा और प्रधान प्रतिनिधि लालजी मिश्रा ने बताया कि करीब छह माह से लगातार बिजली निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को मौखिक व लिखित रूप से समस्या से अवगत कराया जा रहा है। इसके बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। ग्रामीणों का कहना है कि किसी दुर्घटना के बाद कार्रवाई करने के बजाय निगम को पहले ही टूटे खंभे को हटाकर उसके स्थान पर नया खंभा लगवा देना चाहिए। नया खंभा लगने से बिजली की लाइन ऊंचाई पर हो जाएगी और राहगीरों व ग्रामीणों के लिए हादसे की आशंका भी नहीं रहेगी।

पहाड़पुरा के मुख्य मार्ग पर निकासी न होने के कारण पानी भरा,ग्रामीणों को भारी परेशानी

जालौन-उरई। विकास खंड के ग्राम पहाड़पुरा के मुख्य मार्ग पर पानी की निकासी न होने के कारण पानी भरा हुआ है। मुख्य मार्ग पर पानी भरे होने के कारण ग्रामीणों को दिक्कत हो रही है तथा मंदिर आने वाले भक्तों को आना मुश्किल हो गया है। गांव को साफ सुथरा बनाने के सरकार तमाम प्रयास कर रही है। इसके लिए सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की गयी है। सफाई कर्मचारी के नियमित गांव में न आने व सफाई पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सफाई कर्मचारी की लापरवाही व जिम्मेदारों द्वारा ध्यान न दिये जाने से जनता परेशान होती है। विकास के ग्राम पहाड़पुरा में सफाई व्यवस्था के लिए दो सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति है। दो कर्मचारियों की नियुक्ति होने के बाद भी गांव के मुख्य मार्ग में पानी की निकासी की उचित व्यवस्था नहीं है। पानी की निकासी न होने के कारण गांव के लोग परेशान। गांव के मुख्य मार्ग में पानी भरने के कारण स्कूल के बच्चों को निकलने में बहुत परेशानी हो रही है। बच्चे जूता मोजा पहनकर स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। गांव के प्राचीन द्वारिकाधीश मंदिर के सामने गंदा पानी भरने के कारण भक्तों को मंदिर में आने में परेशानी हो रही है। मंदिर में सावन तीज के बाद से भक्त भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन व पूजा अर्चना करने के लिए जाते हैं। ऐसे में मंदिर के मुख्य द्वार व आसपास गंदा पानी भरने के कारण भक्त परेशान है तथा मंदिर नहीं जा पा रहे हैं।

पैसे के लेन-देन को लेकर दो पक्षो मे जमकर हुई मारपीट, बीच रोड पर चले लात धूंसे,वीडियो वायरल

(यंग भारत न्यूज)

कोंच कोतवाली क्षेत्र में रोडवेज बस स्टैंड के पास सोमवार देर रात महज बारह सौ रुपये के लेनदेन को लेकर दो गुटों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते मामूली कहासुनी ने मारपीट का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए। बीच

सड़क पर दोनों गुटों के बीच जमकर लात-घूंसे चले, जिससे मौके पर अफरा-तफरी और हड़कंप की स्थिति बन गई।घटना कोंच कोतवाली क्षेत्र की सागर चौकी के अंतर्गत रोडवेज बस स्टैंड के पास की बताई जा रही है। बताया गया है कि पैसों के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले विवाद और कहासुनी हुई। इसके बाद मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष एक-दूसरे से मारपीट करने लगे। सड़क पर काफी देर तक हुए इस विवाद के चलते आसपास मौजूद लोगों में भी हड़कंप मच गया।इसी दौरान किसी व्यक्ति ने दोनों गुटों के बीच हो रही मारपीट का वीडियो बना लिया। अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। पुलिस वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान और घटना के वास्तविक कारणों की जानकारी जुटा रही है। मामले में जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।कोतवाली पुलिस ने मारपीट कर रहे दोनो पक्षो के लोगो के खिलाफ संबंधित धाराओ में मुकदमा कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

अवैध गांजा लेकर जा रहे व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच अवैध गांजा लेकर जा रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा निवासी भरत सिंह उर्फ बाबू पुत्र पुनू मंगलवार को पंचानन चौराहे से लौना रोड पर जा रहा था तभी मंडी चौकी प्रभारी राकेश कुमार ने संदिग्ध अवस्था में देख उसे पकड़ लिया और उसकी जामातलाशी ली।पुलिस को उसके पास से 615 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया।

कोको गॉफ दूसरी बार चैंपियन फिल्स ने पहली बार जीता खिताब

सिनसिनाटी ओपन

एजेंसी ▸▸ मेसन

कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में दूसरी बार महिला एकल का खिताब जीता, जबकि पुरुष एकल में फ्रांस के आर्थर फिल्स चैंपियन बने। महिला वर्ग के फाइनल में गॉफ ने पेगुला को 6-2, 6-4 से हराया।

गॉफ ने लगाया दमदार फोरहैंड, बनाए रखी पकड़

22 साल की अमेरिकी खिलाड़ी ने पहले सेट में दो बार सर्व तोड़ी और पेगुला के दो डबल फॉल्ट का फायदा उठाकर 5-0 की बढ़त बना ली। सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन इगा स्वियाटेक को हराने वाली खिलाड़ी ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए गॉफ की सर्विस तोड़कर 5-2 की बढ़त घटाई, लेकिन यह बढ़त काफी नहीं रही। गॉफ ने अपने दमदार फोरहैंड से रैली पर पकड़ बनाए रखी। दूसरे सेट में गॉफ ने पेगुला के खराब रिटर्न का फायदा उठाया और 3-0 की बढ़त बना ली। सातवें गेम में पेगुला ने बिना कोई प्वाइंट गंवाए अपनी सर्विस बचाई और फिर गॉफ की सर्विस तोड़कर स्कोर 5-4 कर दिया, जिससे उनकी वापसी की उम्मीद जगी। मगर गॉफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ दी और मैच जीत लिया। यह उनके करियर का 12वां सिंगल्स खिताब है।

फिल्स का पहला मास्टर्स 1000 खिताब

पुरुषों के फाइनल में फ्रांस के फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को 6-3, 1-6, 6-0 से हराकर अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीता। फिल्स और टियाफो का मैच पहली बार था जब दो अश्वेत खिलाड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में आमने-सामने थे। 22 वर्षीय फिल्स मास्टर्स 1000 का खिताब जीतने वाले तीसरे अश्वेत पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले कैल सेल्टन ने कनाडा में दो बार और जो-विल्फ्रेड सोंगा ने 2008 में पेरिस में और 2014 में कनाडा में मास्टर्स 1000 का खिताब जीता था।

दूसरा टेस्ट : भारत ने की पहली पारी 503/9 के स्कोर पर घोषित

टीम इंडिया ने श्रीलंका पर कसा शिकंजा, जुरेल का नाबाद शतक

कोलंबो

ध्रुव जुरेल की धैर्य और संयम से खेली गई नाबाद शतकीय पारी के बाद गेंदबाजों ने दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के बारिश से प्रभावित दूसरे दिन सोमवार को श्रीलंका के दो विकेट चटकाकर भारत की स्थिति मजबूत कर दी।

जुरेल की 177 गेंद में नौ चौकों और दो छक्के की मदद से खेली गई नाबाद 115 रन के बूते भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर अपनी पहली पारी घोषित की। जवाब में श्रीलंका ने दिन का खेल खत्म होने तक महज आठ रन पर दो विकेट गंवा दिए। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने क्रमशः लाहिरु उदारा और प्रभात जयसूर्या को पवेलियन भेजा। स्टंप्स के समय कामिल मिशारा पांच रन बनाकर क्रीज पर थे।

श्रीलंका पहली पारी में 495 रन पीछे

श्रीलंका पहली पारी में भारत से 495 रन पीछे है। दिन का मुख्य आकर्षण जुरेल की शानदार बल्लेबाजी रही, जिन्होंने मैच के दूसरे दिन दो अहम साझेदारियां कीं। उन्होंने सातवें विकेट के लिए ऋषभ पंत (63) के साथ 112 रन जोड़े, जिससे भारत का स्कोर छह विकेट पर 307 रन से बढ़कर 419 रन हो गया। इसके बाद मानव सुथार (18) के साथ आठवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी की, जिससे भारत 500 रन के करीब पहुंच गया।

जुरेल के नाम दर्ज हुए रिकॉर्ड

कोलंबो टेस्ट मैच में ध्रुव जुरेल ने बेहतरीन शतक जड़ा। ध्रुव जुरेल 99 से 100 रन तक पहुंचने के लिए सबसे ज्यादा गेंद खेलने के मामले में तीसरे भारतीय बने। रविचंद्रन अश्विन इस लिस्ट में नंबर 1 पर हैं, जिन्होंने 2016 में 15 गेंद 99 से 100 रन के बीच खेली थीं। सचिन तेंदुलकर भी इस लिस्ट में हैं, जिन्होंने 2008 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 99 रन से शतक तक पहुंचने में 12 गेंदों का सामना किया था।

नंबर 7 या उससे निचले क्रम पर शतक का रिकॉर्ड

जुरेल श्रीलंका में नंबर 7 या उससे निचले क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने। उनसे पहले 2017 में पल्लेकेले के मैदान पर हार्दिक पंड्या ने 108 रन की पारी खेली थी।

सिंहलीज स्टेडियम में शतक लगाने वाले 12वें भारतीय

ध्रुव जुरेल कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में शतक लगाने वाले 12वें भारतीय बल्लेबाज बने हैं। उनसे पहले इसी मैदान में शतक लगाने वाले चेतेश्वर पुजारा 11वें भारतीय थे। जुरेल इसी के साथ सचिन तेंदुलकर, सौरव गांगुली, राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हुए।

जुरेल ने 171 गेंदों में पूरा किया शतक

करीब दो घंटे की रुकावट के बाद खेल शुरू हुआ तो जुरेल ने फर्नांडो की गेंद पर दौड़कर एक रन लेते हुए 171 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। शतक पूरा होते ही जुरेल ने हेलमेट उतारा और ड्रेसिंग रूम की ओर अपनी बांह पर बना टैटू दिखाया। उस पर पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के प्रसिद्ध शब्द 'जय जवान, जय किसान' लिखा था। शतक पूरा करने के बाद जुरेल ने फर्नांडो की गेंदों पर लगातार दो छक्के जड़े। एक लॉन्ग ऑफ के ऊपर से और दूसरा स्क्वायर लेग के ऊपर शानदार हुक के जरिए। भारत के 500 रन पार करते ही कप्तान शुभमन गिल ने पारी घोषित कर दी।

जायसवाल और फर्नांडो पर जुर्माना

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर कोलंबो में दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैदान पर हुई झड़प के लिए मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। दोनों खिलाड़ियों के खाते में एक-एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। भारत की पहली पारी के 17वें ओवर में फर्नांडो ने जायसवाल को आउट किया, जिसके बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कहासुनी हुई। जायसवाल फर्नांडो की ओर बढ़े और दोनों ने एक-दूसरे से कुछ कहा। इसके बाद फर्नांडो भी अचानक जायसवाल की ओर बढ़े। जवाब में जायसवाल भी आगे झुके, जिससे दोनों के सिर आपस में टकरा गया। आईसीसी ने कहा, 'दोनों खिलाड़ियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी के एलीट पैनल के मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा को मान लिया इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।' दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी की आचार संहिता के नियम 2.12 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया। यह नियम किसी खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान दर्शक सहित) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

खबर संक्षेप

सेरेना और अल्काराज क्वालीफायर से भिड़ेंगे

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्काराज यूएस ओपन मिश्रित युगल टेनिस चैंपियनशिप में अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे। सेरेना और अल्काराज का मुकाबला आठ टीमों के क्वालीफाइंग टूर्नामेंट से आगे बढ़ने वाली किसी टीम से होगा। सेरेना 2022 के बाद पहली बार यूएस ओपन में वापसी कर रही हैं। उन्हें और अल्काराज को 16 टीमों के टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश मिला है। मिश्रित युगल का पहला राउंड और क्वार्टरफाइनल मंगलवार को होंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल बुधवार को खेले जाएंगे। विजेता टीम को 10 लाख डॉलर का पुरस्कार मिलेगा।

प्रतीती को एकल बढ़त मयंक शीर्ष पर बरकरार

मुंबई। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला फिडे मास्टर (डब्ल्यूएफएम) प्रतीति बोरदोलोई ने सातवें दौर में महिला कैंडिडेट मास्टर (डब्ल्यूसीएम) आया पैड़ा पर महत्वपूर्ण जीत हासिल करते हुए एशियाई जूनियर क्लासिकल शतरंज चैंपियनशिप में महिला वर्ग में एकल बढ़त हासिल कर ली। इस जीत के साथ प्रतीति के कुल सात में से छह अंक हो गए और वह अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से आधा अंक आगे हो गईं। इससे पहले तुर्कमेनिस्तान की महिला चैंपियन शोहराडोवा लैला उनके साथ संयुक्त बढ़त पर थी लेकिन शिवमशिका जी के साथ ड्रॉ खेलने के कारण वह 5.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गईं।

ला लीगा : बार्सिलोना ने किया धमाकेदार आगाज, एल्चे पर एकतरफा जीत

मैड्रिड

एफसी बार्सिलोना ने ला लीगा की शुरुआत धमाकेदार जीत के साथ की है। बार्सिलोना ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एकतरफा मुकाबले में एल्चे को 5-0 से शिकस्त दी। बार्सिलोना ने पेनल्टी स्पॉट से राफिन्हा के गोल से शुरुआती बढ़त हासिल की, और डेब्यू कर रहे करीम अदेयेमी ने हाफटाइम से पहले राफिन्हा के असिस्ट के बाद इस बढ़त को दोगुना कर दिया। इस सीजन की शुरुआत से पहले साइन किए गए एंथनी गॉर्डन दूसरे हाफ में सब्स्टीट्यूट के तौर पर आए और उन्होंने राफिन्हा को गेम का अपना दूसरा गोल करने और फर्मिन लोपेज को बार्सिलोना का चौथा गोल करने में असिस्ट किया।

लोपेज ने शानदार गोल करके दिलाई बढ़त

लोपेज ने 70वें मिनट में एक शानदार व्यक्तिगत गोल करके बार्सिलोना की बढ़त को 3-0 पहुंचाया। क्लब छोड़ने की इच्छा जता चुके एटलेटिको मैड्रिड के स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज का विलारियल के खिलाफ घरेलू टीम से पहले जब उनका नाम लिया गया, तो लोगों ने सीटियों और हूटिंग से स्वागत किया। एटलेटिको ने मार्क पबिल के शानदार शॉट से स्कोरिंग शुरू की, लेकिन दो पेनल्टी से विलारियल ने जेरार्ड मोरेनो और जॉर्जेस मिकौटाडज़े के जरिए मुकाबले को पूरी तरह से पलट दिया।

शिमोन ने एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया

जिउलिआनो शिमोन ने मैच खत्म होने से पांच मिनट पहले शानदार गोल करके एटलेटिको के लिए एक प्वाइंट बचाया। वहीं, फ्लोरेंट उवाल के 93वें मिनट के गोल ने गेटाफे को सेविला सेंटेंडर पर 1-0 से घरेलू जीत दिलाई। बार्सिलोना के कोच हंसी फ्लिक ने कहा, इस टीम के खिलाफ पांच गोल करना अच्छा रहा, एल्चे शानदार फुटबॉल खेलता है। हम सब ने बहुत खुश हैं कि हम 5-0 से जीते, तीन प्वाइंट्स यह हमारे लिए एक शानदार शुरुआत है। इससे हमें अगले मैचों के लिए जरूरी आत्मविश्वास मिलेगा।

टी20 सीरीज : भारत के खिलाफ अफगानिस्तान टीम का ऐलान

काबुल

अफगानिस्तान ने भारत के खिलाफ आगामी तीन मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए सोमवार को इब्राहिम जादरान को कप्तान नियुक्त किया। पूर्णकालिक टी20 कप्तान के रूप में यह उनकी पहली श्रृंखला होगी।

तीन मैच की यह श्रृंखला 13 से 17 सितंबर तक नयी दिल्ली के फिरोज शाह कोटला मैदान पर खेली जाएगी। यह अफगानिस्तान की 'घरेलू श्रृंखला' है। अनुभवी तेज गेंदबाज नवीन उल हक की भी टीम में वापसी हुई है। वह दाएं कंधे में स्ट्रेस फ्रैक्चर से उबरने के बाद राष्ट्रीय टीम में लौटे हैं। इस चोट के कारण वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 श्रृंखला और टी20 विश्व कप 2026 में नहीं खेल पाए थे। नवीन की वापसी से अफगानिस्तान का तेज गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है, जिसमें फजलहक फारूकी, अब्दुल्लाह अहमदजई और ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई भी शामिल हैं। अफगानिस्तान ने मजबूत टीम चुनी है।

अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नैब की वापसी

अनुभवी ऑलराउंडर गुलबदीन नैब की भी वापसी हुई है जिससे मध्यक्रम को मजबूती मिलने के साथ एक और गेंदबाजी विकल्प उपलब्ध होगा। राशिद खान अनुभवी स्पिन गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। उनके साथ नूर अहमद और मोहम्मद नबी होंगे। अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी टीम में अनुभव और संतुलन बढ़ाएंगे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का इंतजार कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज नूर रहमान को भी टीम में शामिल किया गया है। घरेलू क्रिकेट, शपगीजा क्रिकेट लीग और अफगानिस्तान 'ए' टीम के लिए उनके प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें रहमानुल्लाह गुरबाज के साथ दूसरे विकेटकीपर के रूप में चुना गया है।

नेक्सो चैंपियनशिप : 46वें पायदान पर शुभंकर

एबेरडीन। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा 2026 नेक्सो चैंपियनशिप के अंतिम दौर में इवन पार 72 का कार्ड खेलकर संयुक्त 46वें स्थान पर रहे। शर्मा ने इस दौरान तीन बर्डी और तीन बोगी लगाए। उन्होंने इससे पहले तीन दौर में 73, 72 और 75 के कार्ड खेले थे। उनका कुल स्कोर चार ओवर 292 का रहा। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एक अन्य भारतीय गोल्फर युवराज संधू कट से चूक गए थे। स्कॉटलैंड के स्कॉट जैमीसन ने अंतिम दौर में 67 का शानदार कार्ड खेलकर 'डीपी वर्ल्ड टूर' पर अपना दूसरा खिताब जीता। उन्होंने कुल 11 अंडर स्कोर बनाकर इंग्लैंड के मैथ्यू जॉर्डन को दो शॉट से पछाड़ा।

हॉकी विश्व कप

अर्जेंटीना से हारकर टीम इंडिया सेमीफाइनल की रेस से बाहर

एम्सटेलवीन

मैच के 39वें सेकंड में ही गोल गंवाने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम की विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचने की रही सही उम्मीदें भी लचर डिफेंस के कारण अर्जेंटीना के हाथों 3 - 5 से मिली हार के बाद खत्म हो गई। पिछले मैच में नीदरलैंड से हारने के बाद भारत पूल डी से अंतिम चार की दौड़ से लगभग बाहर हो ही गया था लेकिन अर्जेंटीना की इंग्लैंड पर जीत के बाद तकनीकी तौर पर उसके रास्ते खुले थे। इसके लिए उसे कम से कम तीन गोल के अंतर से जीत दर्ज करनी थी। भारत ने पहले छह मिनट में ही दो गोल गंवा दिए और इस दबाव से टीम निकल ही नहीं सकी। खराब पासिंग, गेंद पर कब्जा गंवाने और डिफेंस में ढिलाई का खामियाजा भारत को भुगतना पड़ा। आखिर में भारत ने दो मिनट के भीतर दो गोल किए लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

ऑस्ट्रेलिया से ड्रॉ, महिला टीम खिताबी दौड़ से बाहर

एम्सटेलवीन। एफआईएच विमेंस हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में रविवार को ऑस्ट्रेलिया के साथ मुकाबला 0-0 से ड्रॉ होने के बावजूद भारतीय टीम खिताबी रेस से बाहर हो गई। दोनों टीमों ने पूरे मैच में कड़ा संघर्ष किया, लेकिन निर्धारित चार क्वार्टर में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। ऑस्ट्रेलिया के सेमीफाइनल में पहुंचने की वजह गोल के मुकाबले में भारत से आगे होना रहा। अब भारत पांचवें-छठे स्थान के लिए खेलेगा। एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) के वागेनर हॉकी स्टेडियम खेले गए इस मैच में स्कोरलाइन 0-0 रहने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने मैच के दौरान कई पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, जबकि भारत की ओर से लगातार दबाव बनाने की कोशिश की गई। भारतीय टीम पूल-ई में तीन मुकाबलों में 2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही।

जीसीटी ग्रैंड फाइनल : प्रज्ञानानंदा ने बनाई 9-3 की अजेय बढ़त

कीमर को हराकर फाइनल की दहलीज पर प्रज्ञानानंदा

सेंट लुई

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर 9-3 की बढ़त हासिल कर ली है और इस तरह से ग्रैंड शतरंज टूर के फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गए हैं। प्रज्ञानानंद और कीमर के बीच मुकाबला उतार चढ़ाव वाला रहा। भारतीय खिलाड़ी सफेद मोहरों से खेलते हुए शुरू में नुकसान में दिख रहा था जबकि कीमर का खेल पर नियंत्रण था। प्रज्ञानानंद ने इसके बाद धीरे-धीरे अपनी स्थिति मजबूत की जबकि कीमर अपनी रणनीतिक चाल में फंस गए।

टाइम कंट्रोल में प्रज्ञानानंदा ने नहीं दिखाई नरमी

दोनों खिलाड़ियों के पास समय कम बचा था। ऐसे में कीमर ने खेल जारी रखने का रास्ता निकाल लिया, लेकिन दूसरे टाइम कंट्रोल में प्रज्ञानानंद ने थोड़ी भी नरमी नहीं दिखाई और राजा को चेकमेट करने के करीब पहुंच गए थे। कीमर ने आखिर में अपनी 56वीं चाल पर हार मान ली। इस जीत का मतलब यह है कि प्रज्ञानानंद अब 450000 अमेरिकी डॉलर के टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने से केवल छह अंक दूर हैं, जिसमें विजेता को 200000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे।

रैपिड गेम में विजेता को मिलेंगे चार अंक

इसके बाद दो और रैपिड गेम होंगे, जिसमें विजेता को चार अंक मिलेंगे और चार ब्लिट्ज गेम होंगे, जिनमें जीत हासिल करने पर दो अंक मिलेंगे। दूसरे सेमीफाइनल में अमेरिका के फैबियानो कारूआना ने अपने हमवतन वेस्ली सो के खिलाफ जीत का सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दोनों के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। इस तरह से यह दोनों खिलाड़ी अभी 6-6 से बराबरी पर हैं।

प्रणेश ने जीता कनिजा ओपन शतरंज खिताब

कनिजा। भारतीय ग्रैंडमास्टर प्रणेश एम ने अंतिम दौर में जर्मनी के वादिम पेट्रोव्स्की के खिलाफ रोमांचक जीत हासिल करके प्रतिष्ठित कनिजा ओपन शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। भारत के 19 वर्षीय खिलाड़ी ने नौवें और अंतिम दौर में सफेद मोहरों से खेलते हुए अपना दबदबा बनाया और जीत हासिल करके खिताब अपने नाम पर सुरक्षित किया। प्रणेश की रेटिंग 2573 है और वह नवीनतम फिडे विश्व रैंकिंग में 449वें स्थान पर हैं। हंगरी स्थित भारतीय दूतावास ने प्रणेश को टूर्नामेंट जीतने बधाई दी। भारतीय दूतावास ने एक्स पर लिखा, 'प्रणेश को बहुत-बहुत बधाई। वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन देखकर हमें बेहद गर्व हो रहा है। हंगरी भारतीय शतरंज के लिए एक बेहतरीन मंच बना हुआ है।

जीवन भर हो साथ निभाने वाला भाई-बहन का रिश्ता

भाई-बहन का रिश्ता बहुत अनमोल होता है। बचपन में तो यह रिश्ता इतना निश्छल-प्यारा होता है, जिसकी यादें दोनों के दिलों में ताउम्र बसी रहती हैं, एक-दूसरे को बांधे रहती हैं। कभी कोई दूरियां आती भी हैं तो बचपन की मीठी स्मृतियां रिश्तों को सहेजती हैं। रक्षाबंधन जैसा पर्व ऐसे ही मूल्यों को सहेजता है, भाई-बहन के रिश्तों में प्रेम-स्नेह बनाए रखता है।

आवरण कथा
वीरेंद्र बहादुर सिंह

रक्षाबंधन केवल कलाई पर राखी बांधने का त्योहार नहीं है। यह पर्व भाई-बहन के दिलों को जोड़कर रखता है। राखी का धागा भले ही कुछ समय के लिए कलाई पर बंधता है, लेकिन इसके पीछे बचपन की स्मृतियां भी छिपी होती हैं, जो जीवन भर साथ जुड़े रहने के लिए उत्प्रेरित करती हैं। सुख-दुख में साथी बनाए रखती हैं।

हमेशा हमारे साथ रहें बचपन की प्यारी-सलोनी स्मृतियां

बचपन में भाई-बहन का रिश्ता बहुत ही सहज-प्यारा होता है। एक ही घर, एक ही आंगन, एक ही स्कूल, खिलौनों पर झगड़े, छोटी-छोटी बातों पर रूठना और कुछ ही देर बाद फिर साथ खेलना। कभी भाई अपनी बहन की चोटी खींचता है, तो कभी बहन उसकी कोई खाने की चीज चुपचाप गप्प कर जाती है। कभी दोनों भाई-बहन मिलकर कोई शरारत करते हैं, डांट पड़ने पर एक-दूसरे को बचाते हैं। यही छोटी-छोटी घटनाएं आगे चलकर जीवन की प्यारी-सलोनी स्मृतियां बन जाती हैं, एक-दूसरे को जोड़े रखती हैं।

बड़े होने पर अपने-अपने जीवन में हो जाते हैं व्यस्त

समय गुजरता है। बच्चे बड़े हो जाते हैं। पढ़ाई, नौकरी, विवाह और जिम्मेदारियां जीवन को अलग-अलग दिशाओं में ले जाती हैं। वह घर, जिसमें भाई-बहन कभी साथ रहते थे, पीछे छूट जाता है। किसी का घर दूसरे शहर में बस जाता है, कोई विदेश चला जाता है। भाई-बहन दोनों की ही अपनी गृहस्थी बस जाती है, वे इसमें व्यस्त हो जाते हैं। मुलाकातें होती हैं। फोन पर बातचीत भी कभी-कभी हो पाती है। लेकिन दिल के किसी कोने में बचपन का वह प्यार बरकरार रहता है।

रक्षाबंधन पर फिर से पुरानी यादें हो जाती हैं ताजा

रक्षाबंधन पर बहन केवल भाई की कलाई पर रेशमी धागा ही नहीं बांधती, वह अपने बचपन को फिर से छूती भी है। उसे वह भाई याद आता है, जिसके साथ उसने गुड़िया-गुड्डे खेले थे, जिसके साथ स्कूल गई थी, जिसके साथ मिठाई बांटी थी, जिसके लिए कभी मां से छिपाकर उसका हिस्सा बचाया था। भाई के लिए भी राखी केवल एक रस्म नहीं होती। उसकी कलाई पर बंधा धागा उसे उस बहन की याद दिलाता है, जिसने उसके बचपन को अपने स्नेह से भरा था। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ रिश्तों की दुनिया भी बदलती है।

विवाह के बाद बदल जाता है रिश्तों का स्वरूप

अकसर भाई-बहनों को आपस में यह शिकायत रहती है कि विवाह के बाद उनके प्रति वह प्रेम-स्नेह नहीं रहा, जो पहले हुआ करता था। वे अपने रिश्तों के प्रति उदासीन हो गए हैं। वहां वह समझने की जरूरत है कि विवाह के बाद रिश्ते बदलते नहीं, उनका स्वरूप बदलता है। बहन की प्राथमिकताएं बदल सकती हैं, लेकिन उसका भाई के प्रति प्रेम-स्नेह खत्म नहीं होता। उधर भाई की भी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, उसके पास समय का अभाव रहता है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि बहन उसके लिए कम महत्वपूर्ण हो गई है। कई बार भाई-बहन के रिश्तों में दूरी इसलिए हो जाती है, क्योंकि किसी नाराजगी की वजह से दोनों बात करना बंद कर देते हैं। मन में एक शिकायत बैठ जाती है। कभी-कभी यह शिकायत लंबे समय तक बनी रहती है। भाई बहन में से कोई रिश्ते सुधारने के लिए पहल नहीं करता। रिश्ते किसी अदालत में जीते नहीं जाते, इन्हें दिल से बचाया जाता है।

किसी गलतफहमी को दूर करने के लिए एक फोन ही काफी हो सकता है। किसी नाराज भाई को मनाने के लिए बहन का एक मीठा-सा संदेश काफी हो सकता है। किसी रूठी बहन से भाई यदि केवल इतना कह दे, 'तू नाराज मत रह, तू तो मेरे लिए बहुत खास है' तो पलक झपकते उलझे रिश्ते सुलझ सकते हैं, सारी खटास दूर हो सकती है। भावभीने शब्दों में वो सामर्थ्य होती है, जो रिश्तों में व्याप्त होने वाली नीरसता और खटास को पल भर में दूर कर देते हैं।

समझें रक्षाबंधन का महत्व

रक्षाबंधन का पर्व हमें यह भी बताता है कि रक्षा केवल भाई का दायित्व नहीं है। बहन का भी दायित्व है कि वह अपने भाई की भावनात्मक ताकत बने। आज के बदलते समाज में भाई-बहन का रिश्ता एक दूसरे को सुरक्षा देते हुए परस्पर सहयोग से मजबूत बनता है। भाई-बहन यह ना भूलें कि उनका रिश्ता साझा बचपन की एक विरासत है, एक भरोसा है। राखी का धागा बहुत पतला होता है, लेकिन उसमें भावनाओं की बहुत गहरी ताकत होती है। वह कलाई पर कुछ दिनों तक रहता जरूर है, लेकिन उसका अर्थ जीवन भर साथ चलता है।

तो आइए इस रक्षाबंधन पर सभी भाई-बहन संकल्प लें कि हम अपने रिश्तों में कभी स्वार्थ नहीं लाएंगे, निरंतर संवाद बनाकर इसे बचाकर रखेंगे। धन-संपत्ति के लिए कभी अपने संबंधों को कमजोर नहीं होने देंगे। छोटी-छोटी बातों के लिए वर्षों नाराजगी नहीं रखेंगे। भाई-बहन केवल अधिकार नहीं, प्रेम भी जताएंगे। हमेशा नेह-बंधन में बंधे रहेंगे। यकीन मानिए इस सकारात्मक सोच से न केवल आपके रिश्ते में मधुरता आएगी, आपका जीवन भी खुशहाल होगा। a

बचपन में जरूर रखें भाई-बहन के रिश्ते की नींव

बच्चे बचपन में जो सीखते हैं, वे अच्छे गुणों और संस्कारों की नींव होती है। भाई-बहनों के बीच जब बचपन में ही एक-दूसरे का ख्याल रखने की भावना होगी, शेयरिंग होगी तो आगे बड़े होने पर यही भावना रिश्तों को जोड़े रखने, गहरा बनाए रखने में सहायक होगी।

परवरिश / सरस्वती रमेश

भाई-बहन का रिश्ता दुनिया का सबसे प्यारा और अनोखा होता है। बचपन में दोनों के बीच जितना प्यार, अपनापन और साझेदारी बनती है, बड़े होने पर रिश्ते में उतनी ही गहरी आत्मीयता दिखाई देती है। इसलिए भाई-बहन के रिश्ते की मजबूत नींव बचपन में ही रखी जानी चाहिए। यह काम अभिभावक ही कर सकते हैं।

भाई-बहन को शेयर करना सिखाएं: माता-पिता बचपन से ही बच्चों को एक-दूसरे के साथ चीजें बांटना सिखाएं। बच्चों को समझाएं कि अपनी चीजें किसी के साथ बांटने से खुशी बढ़ती है। भाई-बहन एक-दूसरे को अपनी-अपनी चीजें खिलाएं, आपस में खिलौने बांटें, साथ खेलें और छोटे-छोटे कामों में एक-दूसरे का साथ दें। ये मामूली लगने वाली बातें उनके मन में साझेदारी और अपनत्व के बीज बोती हैं। धीरे-धीरे बांटना उनके स्वभाव का हिस्सा बन जाता है। दरअसल, बचपन में सीखी गई साझेदारी बड़े होने पर रिश्ते की गर्माहट बनकर साथ रहती है।

एक-दूसरे का ख्याल रखना सिखाएं: माता-पिता बच्चों को यह एहसास दें कि भाई को बहन की और बहन को भाई की फिक्र करनी चाहिए। परेशानी में एक-दूसरे का हाथ थामना और जरूरत के समय एक-दूसरे के साथ खड़ा होना ही रिश्ते को गहराई देता है। कहानियां और फिल्में भी बच्चों को इस भाव को समझाने का अच्छा माध्यम हो सकती हैं। ऐसी फिल्में, कहानियां बच्चों के मन में यह भाव पैदा कर सकती हैं कि मुश्किल समय में अपनों का साथ छोड़ना नहीं चाहिए, बल्कि उनका सहारा बनना चाहिए।

बहन के प्रति सम्मान का भाव बचपन से दें: भाई-बहन के बीच प्रेम जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है सम्मान। खासकर भाइयों के मन में बहनों के प्रति सम्मान का भाव एक दिन में पैदा नहीं होता। उसकी नींव बचपन से ही रखनी पड़ती है। बच्चों की परवरिश करते समय माता-पिता को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बेटे और बेटी के बीच किसी तरह का भेदभाव न हो। घर के कामों में भाई और बहन दोनों बराबर की जिम्मेदारी निभाएं। बाहर से सामान लाने, घर के छोटे-मोटे काम करने या परिवार की जिम्मेदारियों में भी दोनों की समान भागीदारी हो। इससे भाई के मन में यह धारणा नहीं बनेगी कि कुछ काम केवल बहनों के हैं और कुछ अधिकार केवल भाइयों के। वह अपनी बहन को अपने बराबर का समझना सीखेगा। जब भाई अपनी बहन को बराबरी का समझता है, उसकी इच्छाओं और निर्णयों का सम्मान करता है, तभी प्रेम के साथ रिश्ते में एक गहरी आत्मीयता जन्म लेती है। यही सम्मान आगे चलकर भाई-बहन के रिश्ते को उम्र भर सहेजे रखता है।

साथ निभाना सिखाएं: भाई-बहन का रिश्ता सचमुच अनमोल होता है। समय के साथ यह रिश्ता बदलता जरूर है, लेकिन अगर इसकी जड़ें बचपन में प्यार, विश्वास, साझेदारी और सम्मान से मजबूत की गई हों, तो उम्र के साथ इसकी मिठास कम नहीं होती, बल्कि और गहरी होती जाती है। हां, बड़े होने पर जिंदगी बदलती है। अपनी-अपनी जिम्मेदारियां, दूरियां, व्यस्तताएं और बदलती परिस्थितियां कई बार रिश्तों की गर्माहट को धीरे-धीरे सोखने लगती हैं। एक समय जो भाई-बहन दिनभर साथ रहते थे, वे बड़े होकर महीनों एक-दूसरे से मिल नहीं पाते। बातचीत भी कई बार औपचारिक होकर रह जाती है। ऐसे समय में बचपन में बोया गया प्रेम ही रिश्ते को बचाए रखता है। इसलिए आज के माता-पिता के लिए यह और भी जरूरी है कि वे बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा और सुविधाएं ही न दें, बल्कि एक-दूसरे का साथ निभाना भी सिखाएं। a

डेकोरेशन / निधि गोयल

इस तरह सजाएं रक्षाबंधन वाली थाली

रक्षाबंधन के अवसर पर जब आप राखी, अक्षत, मिठाई वाली थाली को सजाती हैं तो उसमें आपका अपने भाई के लिए प्यार तो नजर आता ही है, साथ ही यह भी पता चलता है कि आप कितनी क्रिएटिव हैं? आप अपनी पसंद के अनुसार राखी वाली थाली को डिफरेंट तरीकों से सजा सकती हैं। इसके लिए आपको कुछ सजावटी सामग्री की जरूरत पड़ेगी। आपको यहां थाली सजाने के कुछ बिल्कुल यूनीक आइडियाज बता रहे हैं।

फ्लोरल थीम थाली: अगर आप इस थीम से अपनी राखी वाली थाली को सजाना चाहती हैं तो सबसे पहले साफ थाली में लाल, पीले या सफेद रंग का कपड़ा बिछाएं। थाली के किनारों पर गेंदा और गुलाब की पंखुड़ियां गोलाकार में सजाएं। साथ ही पत्तियों का इस्तेमाल आप थाली के बीच में भी कर सकती हैं। अगर आपको थाली में दीपक रखना है तो उसे रखकर चारों तरफ फूलों से और पत्तियों से वृत्ताकार डिजाइन बना दें।

कुंदन-मिरर वर्क थाली: अगर आपको थाली को ट्रेंडी लुक देना है, तो इसके लिए थाली को कुंदन और मिरर से सजाएं। इसके लिए सबसे पहले थाली पर एक सुंदर-सा कपड़ा या पेपर बिछाएं। फिर उसमें किनारे पर कुंदन और मिरर को किनारे-किनारे चिपकाते जाएं। एक लाइन कुंदन की फिर एक लाइन मिरर की लगाएं। इस तरह पूरी थाली पर लगे हुए ये कुंदन और मिरर बेहद सुंदर नजर आएंगे।

हैंड-पेंटेड मंडला थाली: इस थीम में थाली सजाने के लिए थाली को अच्छी तरह साफ करके सुखा लें। फिर उस पर एक सॉलिड बेस कलर (जैसे मैरून, नेवी ब्लू, व्हाइट या ब्लैक) पेंट करें और सूखने दें। इसके बाद पेंसिल से बीच का सेंटर पॉइंट मार्क करें। साथ ही गोल-गोल लेयर बनाते हुए डॉट्स, पंखुड़ियां, पत्तियां और ज्यामितीय पैटर्न बनाएं। फिर इसके बाद गोल्डन और व्हाइट रंग से बॉर्डर हाइलाइट करें ताकि डिजाइन उभरकर दिखे। थाली के बॉर्डर पर छोटे-छोटे डॉट्स, बेल-पत्तियां या फ्लोरल पैटर्न बनाएं। अगर आपको और भी अट्रैक्टिव लुक चाहिए तो थाली के किनारों पर कुंदन, मोती या मिरर चिपका सकती हैं।

गोटा पट्टी से सजाएं: अगर आपको थाली को राजस्थानी लुक देना है तो इसके लिए थाली को गोटा पट्टी से सजाएं। सबसे पहले थाली के इनर बेस पर चुनरी के प्रिंट का कपड़ा लेकर अच्छी तरह चिपका दें। फिर उस पर गोटा पट्टी से थाली के बॉर्डर को सजाएं। इसमें मिरर और स्टोन का भी आप इस्तेमाल करके थाली को और भी अट्रैक्टिव बना सकती हैं। गोटे का इस्तेमाल आप थाली के बीच में डिजाइन डालने के लिए भी कर सकती है। a

ट्रेंड/ नैंसी गुप्ता

फेस्टिव ऑकेजन पर अगर आप ट्रेडी-डिजाइनर ज्वेलरी कैरी करेंगी तो आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव नजर आएगा। यहां हम बता रहे हैं, कुछ डिजाइनर ज्वेलरीज के बारे में।

कैरी करें डिजाइनर ज्वेलरी आपको मिलेगा फेस्टिव लुक

आपने चाहे कोई ट्रेडिशनल ड्रेस पहनी हो या मॉडर्न ड्रेस, सही ज्वेलरी पूरे लुक को नया डायमेंशन दे सकती है। कई बार सिंपल ड्रेस भी आकर्षक ज्वेलरी के साथ बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश दिखाई देने लगते हैं। वहीं, मिसमैच ज्वेलरी का चयन अच्छे से अच्छे आउटफिट का लुक कम कर सकता है। यही कारण है कि फैशन एक्सपर्ट हमेशा ज्वेलरी को स्टाइलिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मानते हैं। सही ज्वेलरी केवल सुंदरता नहीं बढ़ाती, बल्कि पर्सनालिटी को भी निखारती है। यदि ज्वेलरी का चयन सोच-समझकर किया जाए, तो यह किसी भी लुक को बेहद खास और प्रभावशाली बना सकती है।

आउटफिट को बनाए अट्रैक्टिव: कई बार महिलाएं अपनी ड्रेसेस पर तो काफी ध्यान देती हैं, लेकिन ज्वेलरी को नजरअंदाज कर देती हैं, जबकि सही ज्वेलरी साधारण से साधारण आउटफिट को भी आकर्षक बना सकती हैं। उदाहरण के लिए, एक सादे कुर्ते के साथ ऑक्सीडाइज्ड झुमके या एक सिंपल ब्लैक ड्रेस के साथ स्टेटमेंट नेकलेस पूरे लुक को नया अंदाज दे सकते हैं। ये आजकल ट्रेंड में भी हैं।

फेस ब्यूटी को उभारती है: ज्वेलरी का सबसे बड़ा प्रभाव चेहरे पर दिखाई देता है। सही आकार और डिजाइन के ईयर रिंग्स, चेहरे की विशेषताओं को उभारते हैं और चेहरे को अधिक संतुलित दिखाते हैं। लंबे चेहरे पर चौड़े डिजाइन वाले झुमके अच्छे लगते हैं, जबकि गोल चेहरे पर लंबे ईयर रिंग्स अधिक आकर्षक दिखाई देते हैं। सही चयन चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को और बढ़ा देता है।

पर्सनालिटी को देती है पहचान: हर व्यक्ति की अपनी एक अलग स्टाइल और पसंद होती है। ज्वेलरी उस पर्सनालिटी को प्रदर्शित करने का एक शानदार माध्यम है। कुछ महिलाएं हल्की और मिनिमल ज्वेलरी पसंद करती हैं, जबकि कुछ बोल्ड और स्टेटमेंट डिजाइनों को चुनती हैं। ज्वेलरी का चुनाव हमेशा अपनी पर्सनालिटी और कंफर्ट के अनुसार करना चाहिए।

ऑकेजन को करती है जस्टिफाई: हर अवसर की अपनी अलग मांग होती है। ऑफिस या रोजमर्रा के लिए हल्की और सादगीपूर्ण ज्वेलरी उपयुक्त रहती है, जबकि शादी, त्योहार और विशेष आयोजनों में कुंदन, पोल्की, टेंपल ज्वेलरी या डायमंड सेट विशेष आकर्षण जोड़ते हैं। अवसर के अनुसार चुनी गई ज्वेलरी न केवल लुक को बेहतर बनाती है, बल्कि आपकी स्टाइल सेंस को भी दर्शाती है।

ट्रेंड-क्लासिक का संतुलन है जरूरी: आजकल फैशन की दुनिया में नए-नए ट्रेंड्स लगातार सामने आते रहते हैं। हालांकि हर ट्रेंड हर महिला पर अच्छा लगे, यह जरूरी नहीं है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि ट्रेंड्स को अपनाने के साथ-साथ कुछ क्लासिक डिजाइनों को भी अपनी कलेक्शन का हिस्सा बनाना चाहिए। मोती, डायमंड स्टड, गोल्ड चेन और पारंपरिक झुमके ऐसे विकल्प हैं, जो फैशन से बाहर नहीं होते।

मिनिमल ज्वेलरी का मैक्सिमम इफेक्ट: बहुत सी महिलाएं मानती हैं कि अधिक ज्वेलरी पहनने से लुक बेहतर बनता है, लेकिन वास्तव में ऐसा हमेशा नहीं होता। कई बार कम और संतुलित ज्वेलरी अधिक प्रभावशाली दिखाई देती है। यदि आपने बड़ा नेकलेस पहना है, तो ईयर रिंग्स हल्के पहनें। वहीं बड़े झुमकों के साथ भारी नेकलेस पहनने से लुक ओवरडन लग सकता है। a

(फैशन-ज्वेलरी एक्सपर्ट खुशबू तलवार से बातचीत पर आधारित)

27 अगस्त को भाजपा कार्यकार्य पर 'राखी मिलन' कार्यक्रम का आयोजन - सुधीर सिंह

- झांसी में भाजपा कार्यालय पर पहली बार मनेगा भव्य रक्षाबंधन उत्सव

- रक्षाबंधन उत्सव को लेकर आयोजित हुई तैयारी बैठक

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। जिलाध्यक्ष आदरणीय सुधीर सिंह ने आगामी 27 अगस्त को भाजपा कार्यालय पर आयोजित होने वाले रक्षाबंधन कार्यक्रम के निमित्त कार्यक्रम टोली के साथ बैठक कर तैयारियों पर विस्तृत चर्चा मै भाई–बहन के अटूट प्रेम, भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी महानगर इकाई द्वारा झांसी में एक भव्य 'राखी मिलन' समारोह का आयोजन किया जा रहा है। महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह के नेतृत्व में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम 27 अगस्त 2026 (गुरुवार) को पार्टी के स्थानीय कार्यालय में संपन्न होगा।

उक्त कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति व संयोजक एवं जिलाउपाध्यक्ष संजीव अग्रवाल 'लाला' संयोजक ,कपिल बिस्सैनिया संयोजक ,मीनू राजावत ,विनीत खटीक ,श्वेता पाराशर है इस विशेष अवसर पर जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह द्वारा सामाजिक एकता और पारिवारिक सौहार्द पर बल दिया उन्होंने बताया यह आयोजन केवल एक पारंपरिक पर्व तक सीमित न रहकर नारी सम्मान, पारिवारिक एकजुटता और सुरक्षा के सामूहिक संकल्प का मंच बनेगा। कार्यक्रम में सभी जनप्रतिनिधियों, पूर्व अध्यक्षों, सभासदों, पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।महानगर अध्यक्ष सुधीर सिंह ने झांसी वासियों और कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई–बहन के स्नेह और विश्वास का पावन पर्व है। उन्होंने बहनों से अपने भाइयों के साथ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आयोजन को ऐतिहासिक और यादगार बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के दौरान भाई अपनी बहनों से रक्षा सूत्र बंधवाकर उनके आशीर्वाद और सुरक्षा का संकल्प लेंगे। संगठन की ओर से इसे परिवार, संस्कार और समाज सेवा के संकल्प को सुदृढ़ करने वाले एक बड़े सामाजिक उत्सव के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। जिसमें अपने सभी कार्यकर्ताओ जनप्रतिनिधियों सभी को भंडारा की व्यवस्था सभी को मिठाईयां राखियां अपनी बहन है अपने घर से तुम्हारी सजा करवाएंगे सभी भाइयों की कलाई पर राखी बांध देंगे और सभी का आशीर्वाद लेंगे । इस अवसर पर अभिषेक जैन ,डोली गुप्ता,मुकुल द्विवेदी,संत राम पेंटर ,धीरज गोस्वामी आदि वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर करें प्रभावी क्रियान्वयन

-आर.बी.एस.के. की स्क्रीनिंग में तेजी लाएं, जे.एस.वाई. भुगतान शत-प्रतिशत करें

-अपर निदेशक स्वास्थ्य ने की मंडलीय समीक्षा बैठक

(यंग भारत न्यूज)

झांसी, 25 अगस्त। अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, झांसी मंडल डॉ. आर.के. सोनी की अध्यक्षता में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, झांसी में मंडलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडल के जनपदों में संचालित स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अपर निदेशक ने निर्देश दिए कि बच्चों की स्क्रीनिंग में और अधिक तेजी लाई जाए तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अधिक से अधिक बच्चों की समयबद्ध स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। स्क्रीनिंग के दौरान चिन्हित बच्चों को आवश्यक उपचार एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं से समय से जोड़े जाने पर भी विशेष जोर दिया गया। मंडलीय परियोजना प्रबंधक आनंद चौबे ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से एफ.आर.यू. की समीक्षा के दौरान बताया कि कुछ एफ.आर.यू. पर निर्धारित मानकों के अनुरूप सिजेरियन प्रसव सेवाएं अपेक्षित स्तर पर संचालित नहीं हो रही हैं। इस पर अपर निदेशक ने संबंधित अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अधिकारियों को आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए सिजेरियन प्रसव की सेवाओं में सुधार लाने तथा एफ.आर.यू. को निर्धारित मानकों के अनुरूप क्रियाशील बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लंबित भुगतानों की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि पात्र लाभार्थियों के भुगतान में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो तथा जे.एस.वाई. के भुगतान शत–प्रतिशत सुनिश्चित किए जाएं। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा गया।बैठक में जिला चिकित्सालय, झांसी को एन.क्यू.ए.एस. (ह्न्क्र) सर्टिफिकेशन प्राप्त होने पर अपर निदेशक द्वारा बधाई दी गई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के अनुरूप प्रमाणन प्राप्त होना स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साथ ही, इस गुणवत्ता को निरंतर बनाए रखने तथा मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। बैठक में अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति, कार्यक्रमों की प्रभावी मॉनिटरिंग एवं फील्ड स्तर पर नियमित अनुश्रवण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। अपर निदेशक ने कहा कि स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए और जिन इंडिकेटरों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनमें विशेष कार्ययोजना बनाकर सुधार सुनिश्चित किया जाए। आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन की भी समीक्षा की गई तथा इस कार्यक्रम की कर्मियों को दूर करने के लिए गहन मंथन किया गया बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी झांसी डॉ. शिशिर पुरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी जालौन डॉ. हरिनंदन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ललितपुर, प्रमुख अधीक्षक जिला चिकित्सालय झांसी डॉ. आर.के. सक्सेना, प्रमुख अधीक्षक महिला चिकित्सालय झांसी डॉ. राजनारायण, मंडलीय परियोजना प्रबंधक आनंद चौबे, ए.सी.एम.ओ. डॉ. एन.के. जैन सहित स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मंडलीय एवं जनपदीय अधिकारी उपस्थित रहे।

युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे मजबूत शक्ति,इसी शक्ति से राष्ट्र निर्माण की ओर बढ़ेगा भारत : विभाग प्रचारक

बुवि में युवा सम्मेलन में स्वामी विवेकानंद, शिवाजी महाराज और भगवान श्रीराम के आदर्शों से युवाओं को राष्ट्रसेवा की प्रेरणा का आह्वान

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के मानविकी एवं अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान संस्थान की ओर से युवा सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, सामाजिक दायित्वों और देश के प्रति कर्तव्यबोध के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की। इस दौरान युवाओं की ऊर्जा, क्षमता और सकारात्मक सोच को राष्ट्र की प्रगति से जोड़ने पर विचार–विमर्श हुआ।

सम्मेलन के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झांसी विभाग के विभाग प्रचारक मनोज ने कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति होते हैं। देश का भविष्य केवल नीतियों और व्यवस्थाओं से नहीं, बल्कि युवाओं के विचार, चरित्र, परिश्रम और संकल्प से तय होता है। उन्होंने युवाओं से शिक्षा और आधुनिक तकनीक के ज्ञान के साथ अनुशासन, सेवा, संस्कार, आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के जीवन का उदाहरण देते हुए आत्मविश्वास, ज्ञान और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा लेने की बात कही। सिख गुरुओं के जीवन से साहस, त्याग और सेवा की भावना सीखने तथा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन से नेतृत्व क्षमता, संगठन शक्ति और राष्ट्रहित में दृढ़ संकल्प अपनाने का संदेश दिया। भगवान श्रीराम के युवावस्था के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए उन्होंने मर्यादा, कर्तव्यबोध, संयम और लोककल्याण को युवा जीवन का आदर्श बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. मुन्ना तिवारी ने की। उन्होंने कहा कि ऐसे सम्मेलन युवाओं को अपने दायित्व समझने और समाज के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर देते हैं। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक के रूप में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. श्रीहरि त्रिपाठी एवं डॉ. बिपिन प्रसाद ने किया।

कार्यक्रम में महानगर प्रचारक मयंक, महानगर विद्यार्थी प्रमुख अंकित, नगर विद्यार्थी प्रमुख शिवम, डॉ. आशीष दीक्षित, डॉ. रामनरेश देहूलिया, डॉ. कपिल शर्मा, डॉ. राघवेंद्र द्विवेदी, गरिमा, डॉ. रिचा सेंगर, डॉ. रेनू शर्मा, आशुतोष शर्मा, जोगिंदर, आकांक्षा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी और युवा उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन राष्ट्र, समाज और संस्कृति के प्रति जिम्मेदारी के संकल्प के साथ हुआ।

जर्जर मकान ने छीनी महिला की जान, पीड़ित परिवार अब भी कच्चे घर में रहने को मजबूर

डॉ. संदीप सरावगी पहुंचे पीड़ित परिवार के घर, जर्जर मकान हादसे में मृत महिला के परिजनों की सुनी व्यथा

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। चूड़ी वाली गली में सोमवार को तेज बारिश के दौरान जर्जर मकान गिरने से घायल हुए पति–पत्नी में उपचार के दौरान पत्नी की मौत हो गई। हादसे के बाद समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली।

मुकेश कुमार ने डॉ. संदीप को बताया कि मकान काफी समय से जर्जर हालत में था। घर की मरम्मत के लिए नगर निगम के डूडा कार्यालय में आवेदन भी दिया गया था, लेकिन आरोप है कि संबंधित विभाग की ओर से समय रहते कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। परिवार का कहना है कि यदि जर्जर मकान की स्थिति को लेकर समय रहते कार्रवाई होती तो शायद यह हादसा टाला जा सकता था और उनकी पत्नी सरोज आज जीवित होती। पीड़ित परिवार के अनुसार, हादसे के बाद समाचार पत्रों में परिवार को पांच लाख रुपये की सहायता राशि दिए जाने की जानकारी प्रकाशित हुई थी। जब पीड़ित के पुत्र ने बैंक जाकर खाते की जानकारी ली तो खाते में किसी प्रकार की राशि नहीं पहुंचने की बात सामने आई। डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि एक परिवार ने अपना सदस्य खो दिया है और अब भी पीड़ित परिवार बेहद कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहा है। उन्होंने सरकार से अपील की कि सांसद, विधायक अथवा अन्य किसी निधि से पीड़ित परिवार को आवश्यक सहयोग राशि उपलब्ध कराई जाए, ताकि परिवार को सुरक्षित आवास मिल सके। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार वर्तमान में कच्चे घर में रहने को मजबूर है और यहां दोबारा भी हादसा होने की आशंका बनी हुई है। डॉ. संदीप ने पीड़ित परिवार को अपनी ओर से यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही तथा संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार की मदद करने की अपील की।

चैक वाउंस मामला -दोषी को कोर्ट ने तीन माह के कारावास व 4.55 लाख की चेक पर 6.58 लाख रुपये परिवादी को देने का दिया आदेश

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई। बुंदेलखंड एक्सप्रेस निर्माण के दौरान वाहनों में डीजल डलवाने और डीजल की बकाया राशि का भुगतान जिस चेक के माध्यम से किया गया वह बाउंस हो गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट ने विपक्षी फर्म को तीन माह के कारावास और 4.55 लाख की चेक पर 6.58 लाख रुपये परिवादी को देने का आदेश दिया। तोपखाना स्थित महेंद्र मोर्टस पेट्रोल टैंक के संचालक अलकक्षेंद्र सिंह ने न्यायिक मजिस्ट्रेट जावेद खाान की अदालत में परिवाद दायर कर आरोप लगाया था कि मेरठ की फर्म कामधेनु इंटरप्राइजेज के बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे निर्माण का कार्य कर रही थी। फर्म के संचालक ने उन्हें बताया कि काफी दिनों तक काम चलना है और मशीनरी में डीजल की आवश्कयता होगी। पर्ची के माध्यम से वह वाहनों में डीजल उपलब्ध करा दें। समय समय पर उनका भुगतान किया जाता रहेगा। फर्म द्वारा वर्ष 2020 में 10,54,633 रुपये का डीजल वाहनों में डलवाया गया। जिसका छह लाख रुपये भुगतान कर दिय ा गया। काम समाप्त होने के बाद शेष 4.55 लाख रुपये चेक के माध्यम से दिए गए। जब चेक बैंक में लगाई गई तो वह बाउंस हो गई। जब इस बाबत फर्म संचालक से कहा तो उसने अभद्रता करते हुए रुपये देने से इंकार कर दिया। मामले में गुण दोष और दोनों पक्षों को सुनकर न्यायिक मजिस्ट्रेट ने विपक्षी फर्म को चेक के एवज में 6.58 लाख रुपये नकद भुगतान करने और तीन मास के कारवास का आदेश दिया है।

मेडिकल स्टोर से उठा धुआं, बाजार में अफरा–तफरी

झांसी। जनपद के सुभाषगंज बाजार में मंगलवार को बंद मेडिकल स्टोर के अंदर से धुआं निकलने से अफरा-तफरी मच गई। आग लगने की आशंका में व्यापारियों ने फायर ब्रिगेड को सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने जांच की तो दुकान के अंदर रखी कॉटन (रुई) सुलगती मिली। फायर फाइटर्स ने कॉटन को बाहर निकालकर स्थिति पर काबू पाया। हालांकि, दुकान में आग जैसी कोई स्थिति नहीं बनी और बड़ा हादसा टल गया।

दरअसल, कोतवाली थाना क्षेत्र के सुभाषगंज बाजार में गुड्डू भैया नाम के कारोबारी का गर्ग मेडिकल स्टोर है। मंगलवार को स्टोर समेत बाजार की अन्य दुकानें बंद थीं। इसी दौरान वहां से गुजर रहे कुछ कारोबारियों ने मेडिकल स्टोर के बंद शटर के नीचे से धुआं निकलते देखा। आग लगने की आशंका में उन्होंने आसपास के व्यापारियों को सूचना देने के साथ ही फायर ब्रिगेड को भी जानकारी दी। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले स्थानीय लोगों ने दुकान के ताले तोड़कर आग बुझाने की तैयारी कर ली थी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने दुकान के अंदर जाकर जांच की तो सर्जिकल सामग्री के बीच रखी कॉटन से धुआं उठता मिला। बताया गया कि शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी के कारण कॉटन सुलग गई थी। धीरे-धीरे रुई के सुलगने से दुकान के अंदर धुआं भर गया और बाहर तक निकलने लगा। फायर फाइटर्स ने सुलग रही कॉटन को बाहर निकाल दिया, जिसके बाद धुआं शांत हो गया। मेडिकल स्टोर घने सुभाषगंज बाजार के बीच स्थित है। ऐसे में आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड ने एहतियात के तौर पर दो गाड़ियां मौके पर भेजीं। हालांकि, आग की स्थिति नहीं मिलने के कारण इनकी जरूरत नहीं पड़ी। स्थानीय पार्षद वरुण जैन ने बताया कि दुकान में रखी कॉटन से ही धुआं उठ रहा था। दुकानदारों और फायर ब्रिगेड की तत्परता के चलते समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया और बड़ी घटना होने से टल गई।

स्वाइन फ्लू से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाया गया जनजागरूकता अभियान

(यंग भारत न्यूज)

जालौन–उरई। स्वाइन फ्लू से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियान के तहत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छिरिया सलेमपुर में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार राजपूत ने मरीजों और तीमारदारों को बीमारी के लक्षणों और बचाव के उपायों की जानकारी दी। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र छिरिया प्रभारी में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार राजपूत ने मरीजों और उनके तीमारदारों को बताया कि स्वाइन फ्लू एक संक्रामक बीमारी है। इसके प्रमुख लक्षणों में बुखार, खांसी, गले में खराश, नाक बहना, बदन दर्द, सांस लेने में परेशानी और आंखों का लाल होना शामिल हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के लक्षण दिखाई देने पर इसे सामान्य बुखार या सर्दी–जुकाम समझकर लापरवाही न बरतें और समय से चिकित्सक से परामर्श लें। संक्रमण से बचाव के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। छींकते या खांसते समय मुंह और नाक को रुमाल या टिश्यू से ढकें। नियमित रूप से साबुन और पानी से हाथ धोते रहें। बिना हाथ धोए आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर जाने से बचने के साथ ही आवश्यकता होने पर मास्क का प्रयोग करें। उन्होंने मरीजों और तीमारदारों से अपील की कि किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के बाद स्वास्थ्य संबंधी परेशानी महसूस होने पर तत्काल स्वास्थ्य केंद्र पर जांच और चिकित्सकीय परामर्श लें। कहा कि जागरूकता और सावधानी के जरिए संक्रमण के प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है। इस मौके पर अशोक, राजेश, मंजरी, आशा आदि रहे।

ससुराल बुलाया प्रेमी, आपत्तिजनक हालत में पकड़ी दुल्हन

झांसी। जनपद के चिरगांव थाना क्षेत्र के तलाबपुरा मोहल्ले के रहने वाले युवक ने शादी के महज दो महीने बाद पत्नी को उसके प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया। पति का आरोप है कि पत्नी ने अपने प्रेमी को जेबर भी दे दिए। वह शादी के बाद से उसे लगातार नींद की गोलियां देकर प्रेमी से मोबाइल पर बात करती रही।

लेकिन 23 अगस्त को उसने अपने प्रेमी को ससुराल ही बुला लिया। जिसके बाद वह पकड़ी गई। अब पति ने पत्नी, उसके प्रेमी और अपने ससुर पर धमकी देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। चिरगांव के तालाबपुरा मोहल्ला निवासी राजेश प्रजापति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी इसी साल 24 जून को दतिया जिले के भाण्डेर तहसील क्षेत्र के कद्दौर खिरिया गांव निवासी अभिलाषा से हुई थी। राजेश के मुताबिक, शादी के करीब एक महीने बाद ही उसे पत्नी के व्यवहार पर शक होने लगा था।राजेश ने बताया कि शादी के कुछ समय बाद उसे अपने शरीर में हल्कापन महसूस होने लगा। इसके साथ चक्कर आने और लगातार नींद आने की शिकायत रहने लगी। उसने बताया कि पहले उसे लगा कि यह सामान्य थकान या कमजोरी हो सकती है, लेकिन जब यह लगातार होने लगा तो उसे पत्नी पर शक हुआ। उसका आरोप है कि उसे लगा पत्नी उसे नींद की गोली खिलाकर सुलाने की कोशिश कर रही है। इसके बाद वह पत्नी के सामने सतर्क रहने लगा। राजेश का दावा है कि उसने पत्नी के मोबाइल की रिकॉर्डिंग सुनी।

नगर मे अकीदत के साथ मनाया गया जश्न-ए-चिरागा पर्व

रंग बिरंगी झालरों की रोशनी से गुलजार रहे मुस्लिम इलाके

(यंग भारत न्यूज)

उरई । नगर मे हुजूर मोहम्मद सल्लाहोसल्लम की विलादत (पैदाइश) पर मनाया जाने वाला पर्व जश्न–ए–चरागा नगर में बड़े ही अकीदत के साथ मनाया गया। इस मौके पर नगर के तमाम मुस्लिम इलाके बिजली की रोशनी में जगमगाते रहे। रात भर जगह–जगह रसूल की पैदाइश का जिक्र किया गया।

मोहम्मद साहब के पैदाइश पर मनाए जाने वाले जश्न–ए–चरागां की तैयारियां काफी दिनों से चल रही थी। नगर के मुस्लिम इलाकों आजाद नगर, तिलक नगर, गणेश गंज, चूडी मार्केट, कबीर नगर, राम कुंड, लहारिया पुरवा, पूरी बजरिया समेत तमाम स्थानों पर सुबह से ही गलियों व सड़कों के अलावा घरों में सजावट का दौर जारी रहा। लोग जरी के अलावा बिजली की झालरों व बल्बों से सजावट कर रहे थे। सजावट के साथ साथ नगर के तमाम मुस्लिम इलाकों मे गेट भी बनवाया गया है। वहीं आजाद नगर स्थित बड़ी मस्जिद भी जगमगाती रही। शाम होते ही मुस्लिम इलाके बिजली की रोशनी से नहा उठे। पूरी रात मुस्लिम मोहम्मद साहब का जिक्र करते रहे। वहीं मोहल्ला आजाद नगर बड़ी मस्जिद के मैदान में हर साल की तरह इस साल भी 40 वां सालाना जश्न ए चरागा किया गया। हुजूर की आमद पर चरागां के सदर अब्दुल हक़ और कारी हसन साहब ने जश्न ए चरागाँ कर सभी को मुबारकबाद दी। इस दौरान सेंकड़ों अकीदतमंद शामिल हुए। पूरी रात चरागाँ की कमान अनवारूल हक़ बरकाती, ऐनुल हक, तलहा मजहर ने संभाली। वहीं कारी हसन और अब्दुल हक़ ने बताया कि मोहम्मद साहब पूरी दुनियां मे रहमत बनकर आए और शांति का पैगाम दिया. पूरी दुनियां मुहम्मद साहब के आने का जश्न मना रही है। इस दौरान सादिक बरकाती, याक़ूब अली, मोहसिन खान, जीशान खान, अमीनुल हक़, फेजान मंसूरी, रिजवान मंसूरी, शादाब मंसूरी, मोइनुद्दीन, फरहान अली, आदि कमेटी के सेंकड़ों लोग मौजूद रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718